6 साल बेमिसाल
सामाजिक मतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक
कुमावत इंडिया
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-7 | अंक-6 | जनवरी-2024 | पृष्ठ-32 | मूल्य : ₹ 20.00

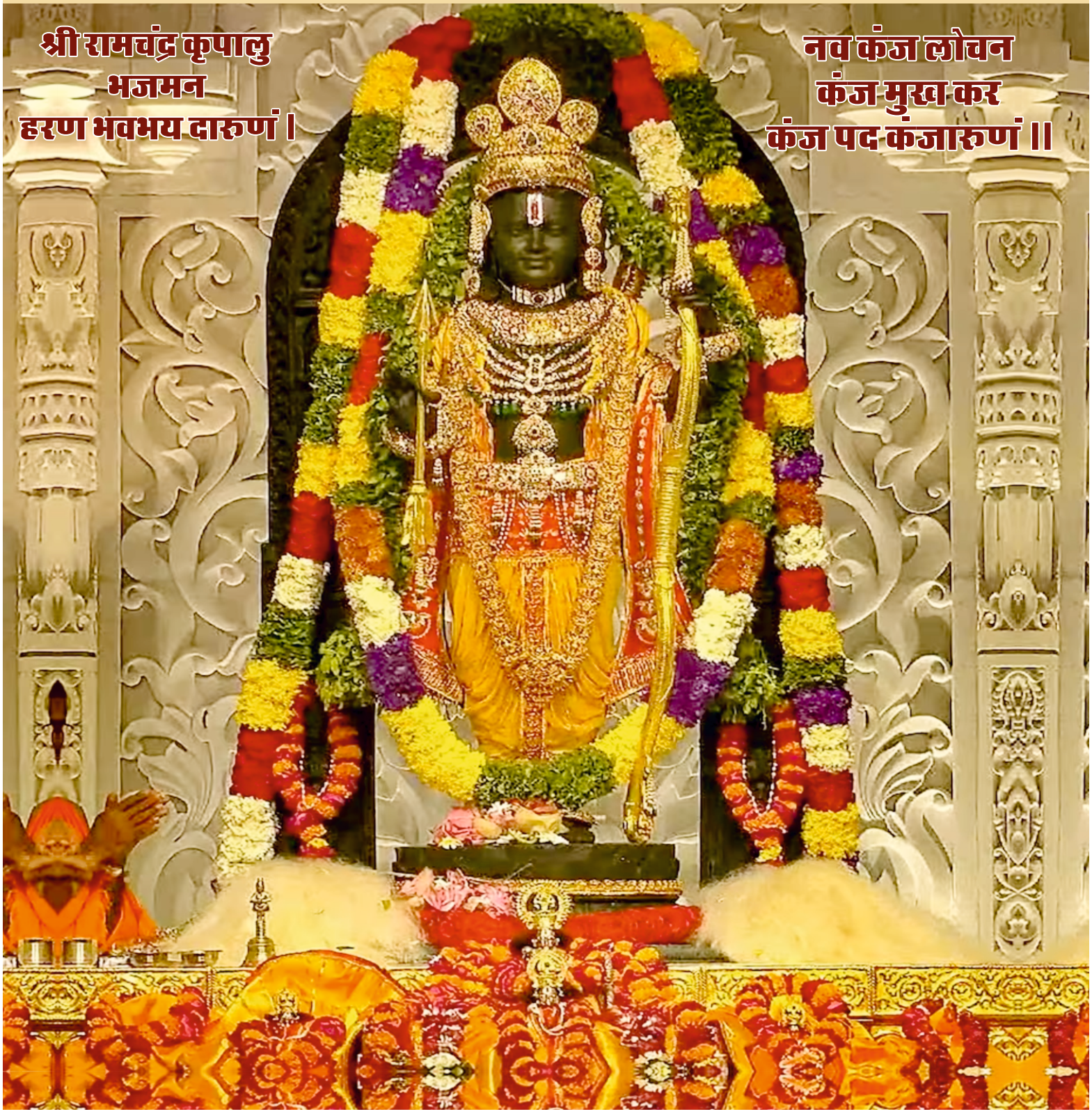

DPS AJMER

Sr. Sec. School

Tabiji Farm Road, Ajmer

ESTABLISHING

The Right Environment

We believe in building a modern culture using both traditional & next-generation tools. So, your child's natural talents can blossom.

SHASHI PAL KUMAWAT
Chairman

Our Activities

Archery & International
Level Shooting Range

Swimming Pool
"DPS Wave Pulse"

Horse Riding Club
Won Laurels at the National Level

Skating Rink

Karate Club
We have won Karate Championship at District, State & National Level.

Art & Craft

Tabiji Farm Road, Near D.D. Puram, Beawar Road, Ajmer

Web: www.dpsajmer.in E-Mail: info@dpsajmer.in

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

संरक्षक	:	जयकिशन सोकिल	मो. 9829125428
अध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	मो. 9887440666
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	मो. 9414074376
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	मो. 9414810584
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	मो. 9549656438
सदस्य ट्रस्टी	:	सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	मो. 9829056063
		रमेश कुमावत (गेदर)	मो. 9414554322
		चेतन बालोदिया	मो. 9414052736
		मोहन लाल कुमावत	मो. 9887557425
मुख्य सलाहकार	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	मो. 9414994006
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	मो. 9414263429

सम्पादक मण्डल : रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक -9414554322, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, मनीष कुमावत 9660702083, रमेश तोंदवाल 9460870125 रवि कुमावत 9829600411, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, प्रिया मारवाल 9408093778 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493,** रवि बेडवाल **मो. 8290303003 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645 किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया **9680931428**

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।

सम्पादकीय

अयोध्या नगरी में रामजन्मभूमि पर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साथ नये युग का सूत्रपात हुआ है। हम सभी भाग्यशाली हैं जिन्हें यह शुभ अवसर देखने को मिला। हमारे राम आ गये हैं, नई नवेली अयोध्या त्रेता युग का सा आभास दे रही हैं। इस समय देशभर में उल्लास व जश्न का माहौल रहा तथा शांति व सौहार्द से सब कुछ सम्पन्न हुआ। ऐसा लगा कि देशभर राममय हो गया। देश से ही नहीं बल्की विदेशों में भी इस पल की खुशी मनाई गई तथा शाम को तो देश में जैसे दीपावली ही आ गई। आखिर ऐसा क्यों नहीं होता, क्योंकि 498 साल के संघर्ष व प्रतीक्षा के बाद यह पल आया है।

राम हमारे घट-घट और कण-कण में रचे बसे हैं। **सदियों से हम 'राम-राम' शब्द से ही अभिवादन करते रहे हैं। हमारी संस्कृति एवं संस्कारों की हर कड़ी में राम के आदर्श परिलक्षित होते हैं।** राम के चारित्रिक गुण जिनमें सहजता, विनम्रता, संकल्प, आज्ञाकारिता, सत्यनिष्ठा, आत्म संयम, त्याग, दृढ़ता, क्षमा-करुणा, शरणागत की रक्षा तथा वीरता से ही राम ने जन-जन के मन में स्थान बनाया व **'मर्यादापुरुषोत्तम राम'** कहलाये।

राम की सरलता और सौम्यता को करीब जानना ही हर किसी के लिए मुश्किल है। इसे श्रद्धा और भाव से ही समझा जा सकता है। राम के एक-एक शब्द, कर्तव्य तथा उद्देश्य परहित के लिए समर्पित थे। आइये, हम राम के चारित्रिक गुणों व आदर्शों का अनुसरण करें। परिवार तथा मित्रों को साथ लेकर जीवन में आगे बढ़ें। जिस तरह रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर पूरा देश एकता के सूत्र में बंधा और कहीं भी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई इससे विश्व को साम्प्रदायिक सौहार्द की मिसाल देखने को मिली। हमारे देश के लोकतंत्र की प्रतिष्ठा बढ़ी। हमें इसे कायम रखकर आगे बढ़ना है। **राम, कुमावत समाज के ईष्ट हैं तो हमारे समाज की जिम्मेदारी ज्यादा बनती है कि हम सामाजिक सौहार्द बनाये रखें,** वाणि एवं कर्म से किसी को ठेस नहीं पहुंचाये तथा सहयोग और सामंजस्य बनाये रखे। हम सामाजिक एकता की मिसाल कायम करके समाज को सामाजिक आर्थिक और राजनैतिक प्रगति के पथ पर अग्रसर करें। साथ ही हमारे सांस्कृतिक मूल्यों को दैनिक जीवन में अक्षुण रखते हुए इन मूल्यों को अगली पीढ़ी को भी सौंपे।

आप सभी को अयोध्या में नव, भव्य एवं दिव्य राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की हार्दिक बधाई।

जय श्री राम!

- रमेश चन्द कुमावत

हमारी वेबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
संरक्षक : जे.पी. वर्मा	4
श्री जोगाराम कुमावत केबिनेट मंत्री बने	4
अयोध्या में रामराज प्रारम्भ, नये युग की शुरुआत	5-7
अयोध्या में वाटर स्पोर्ट एडवेंचर की शुरुआत	7
नावां के लक्ष्मण की राम मंदिर में कारीगरी	7
अयोध्या के राम मंदिर का इतिहास	8
''एक शाम श्याम सांवरे के नाम'' भजन संध्या का आयोजन	8
चेतन कुमावत जिलाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर सामाजिक प्रवास पर	9
मुख्यमंत्री भजनलाल से मिले चेतन कुमावत	9
टीम चेतन धुंधारिया ने पेश की मानवता की मिसाल	9
जयसिंह कुमावत को गुजरात मीडिया ने ब्यूरो चीफ की जिम्मेदारी सौंपी	10
SBK हॉस्टल व लाइब्रेरी द्वारा दूध महोत्सव का आयोजन	10
1100 हनुमान मंदिरों की फोटो एक फ्रेम में	11
भारत सूर्य पर मिशन भेजने वाला तीसरा देश बना	11
मटर के कोफते की जायकेदार सब्जी	11
पीले चावल और अलख, घर-घर का संगीत	11
खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन	12
महेन्द्र कुमावत को पीएचडी उपाधि	12
अटल तिरंगा सम्मान 2023	12
हरिपुरा में विद्यार्थियों को पिलाया काढ़ा	12
V & D कलेक्शन मेन्स वियर शोरूम का हुआ शुभारंभ	13
ढूंढाड़ परिषद द्वारा पंतग महोत्सव व पौषबडा प्रसादी आयोजन	13
राजसमंद कुमावत समाज ने किया कलक्टर का स्वागत	13
कविताएं	14
पावर सेक्टर कुमावत ग्रुप का स्नेह-मिलन समारोह आयोजित	15
समर्पण एक धागे के समान	15
परिवर्तन : समाज के विकास के लिए आवश्यक	16
स्काउटिंग के संस्थापक लॉर्ड बेडेन पावेल की जीवनी	17
नरेश कुमावत बनाएंगे सरयू तट पर राम की मूर्ति	18
ललित कुमावत को सर्वश्रेष्ठ पैनल वकील का सम्मान	18
जीवन में यदि संघर्ष न रहे, तो जीवित रहना ही व्यर्थ है : महेन्द्र सिक्का कुमावत	18
घर की नींव-बुजुर्ग	18
भक्तों की दृष्टि भगवान के ऐश्वर्य की तरफ जाती ही नहीं	19
विद्या, ज्ञान और प्रज्ञा के समानार्थ अंग्रेज़ी में कोई शब्द नहीं	19
पवन कुमावत को जिला प्रमुख ने दी बधाई	19
अमेरिका में रसोई में भोजन बनाना छोड़ने का दुष्परिणाम	20
प्रयागराज : संगम पर मित्रों का संगम-2	21
कुमावत समाज ने गौ माता को खिलाई लापसी-रजका	21
बोर्ड परीक्षाओं में अच्छे अंक कैसे प्राप्त करें	22
पत्नी का रखें ख्याल, जीवन होगा खुशहाल	23
विशिष्ट संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
आवश्यक सूचनाएं व पत्रिका नहीं मिलने पर सम्पर्क सूत्र	26
विदेशों में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा पर मनाए कार्यक्रम	27
रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर उदयपुर कुमावत समाज में कार्यक्रम	28
जेम्स स्टोन पर राम का सबसे छोटा विग्रह बनाया	28
स्मृति शेष : स्व. श्री रामदयाल जी कुमावत (गेदर)	30

संरक्षक

जे.पी. वर्मा

पुत्र श्री श्रीनारायण लोहरवाड़िया, मो.: 9468772595
39, नालन्दा विहार, दुर्गापुरा, जयपुर-302018

श्री जगदीश प्रसाद वर्मा की प्रारम्भ से ही शिक्षा के प्रति रुचि रही जिसे आपने आगे भी जारी रखा। आपने बी.कॉम., एम.ए. (लोकप्रशासन) तक शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद आपने ज्योतिष विज्ञान में रुचि होने के कारण भारतीय ज्योतिष विज्ञान एवं वैदिक खगोल शास्त्र संस्था (आइवा), जयपुर से 'ज्योतिष रत्नाकर' तथा 'ज्योतिषश्री' की उपाधि ली। आप राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर में सेवारत रहे तथा उपकुलसचिव (कार्यवाहक) जैसे उच्च पद पर कार्य करते हुए सेवानिवृत्त हुए। आप मृदुभाषी एवं सरल स्वभाव के धनी हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

श्री जोराराम कुमावत केबिनेट मंत्री बने

राजस्थान की भजन लाल सरकार में श्री जोराराम कुमावत को केबिनेट मंत्री बनाया जाकर उन्हें पशुपालन, मत्स्य एवं डेयरी, गोपालन व देवस्थान विभाग दिया गया है। इससे कुमावत समाज का मान बढ़ा है। श्री जोराराम कुमावत एक अनुभवी राजनेता हैं तथा सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र से दूसरी बार विधानसभा पहुंचे हैं। इनका सौम्य व्यवहार तथा कार्य करने की विशेष शैली से मतदाताओं ने इन्हें भारी बहुमत से विजयी बनाया है।

इनकी मुख्य चुनौतियां हैं कि पशुपालकों की आय बढ़ाना, नए डेयरी उत्पाद लाना, डेयरी के दूध एवं उत्पादों की गुणवत्ता को सुनिश्चित कराना, गौशालाओं को पर्याप्त फंड उपलब्ध कराकर गौ संरक्षण पर ध्यान देना, प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिरों का जीर्णोद्धार कराकर विकास कराना, महत्वपूर्ण मंदिरों में कोरीडोर का निर्माण कर धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देना इत्यादि।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से माननीय श्री जोराराम जी कुमावत को केबिनेट मंत्री बनाए जाने पर हार्दिक बधाई।

अयोध्या में रामराज प्रारम्भ

नये युग की शुरुआत

22 जनवरी 2024 को अयोध्या के नव्य, भव्य और दिव्य मंदिर में अभिजीत मूहुर्त में 'राम' विराजमान हो गये। 498 वर्षों की प्रतीक्षा समाप्त हुई। अति मनमोहक श्याम वर्ण के 5 वर्षीय बाल विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा पूरे विधि-विधान व मंत्रोचार से हुई। देश में आध्यात्मिक व सांस्कृतिक नवयुग का गौरवशाली आगमन एक भव्य समारोह से हुआ जिसका रामभक्तों को वर्षों से इंतजार था। **भगवा रंग से सजी-धजी अयोध्या नगरी के नये रूप ने त्रेतायुग की याद ताजा कर दी। चहुँओर राममय वातावरण रहा, लोगों ने संध्या को सरयू नदी किनारे व घर-घर में दीप प्रज्ज्वलित किए। इसकी लौ को रामज्योति कहा गया।** दीप-प्रज्ज्वलन व भगवा ध्वजा तथा राम नाम का जयघोष पूरे देश एवं अनेक देशों में हुआ। लोग मंदिरों, सार्वजनिक स्थानों पर एकत्र हो पूजा व भजन-कीर्तन में शामिल हुए। अनेक स्थान पर बड़ी स्क्रीन पर लोगों ने समारोह का लाईव प्रसारण देखा। हम सब भाग्यशाली हैं जिन्हें यह दिन देखना नसीब हुआ।

देश के 125 परम्पराओं के 5000 साधु-संत एवं सभी विधाओं के 2500 श्रेष्ठ व्यक्तियों की उपस्थिति रही। आगन्तुकों को मोतीचूर के लड्डू व तुलसी पत्र तथा रामजन्मभूमि की रज (मिट्टी) रिटर्न गिफ्ट में दी गई।

नवनिर्मित अयोध्या नगरी की चौड़ी सड़कों की छटा देखने योग्य थी, हर सड़क धर्मपथ, रामपथ, भक्ति पथ, लता चौक, सरयू तट भगवान रंग, पताकाओं और रामभक्तों से अटी पड़ी थी। जगह-जगह सप्ताहभर से 3500 कलाकार रामकथा का मंचन व रामचरितमानस की चौपाईयां गाकर वातावरण भक्तिमय बना रहे थे। अनेक राज्यों से आये कलाकारों ने श्रीराम के उदात्त चरित्र का मंचन किया। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में भारत के राज्यों के 50 वाद्य यंत्रों से संगीत की मधुर ध्वनि ने दर्शकों का मन मोह लिया। इन वाद्य यंत्रों में यूपी से पखावज व बांसुरी, राजस्थान से रावणहत्था, छत्तीसगढ़ से तम्बूरा, तमिलनाडु से नागस्वरम्, झारखण्ड से सितार, बिहार से पखावज, प.बंगाल से श्रीखोल व सरोद आदि वाद्य यंत्र बजाए गए।

देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं तथा मेहमानों के लिए रामनगरी में महर्षि वाल्मिकी अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट, अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे स्टेशन 6 प्लेटफार्म युक्त तथा चौड़े-चौड़े राष्ट्रीय राजमार्ग बनाये गये हैं। पर्यावरण अनुकूल बसों का संचालन हो रहा है, स्मार्ट सोलर स्ट्रीट लाईट तथा खान-पान के लिए सीता रसोई की उम्दा व्यवस्था थी। साधु संतों तथा श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए सुविधाओं युक्त टेन्टसिटी बनाई गई है। अयोध्या में अनेक होटल बन गये हैं तथा अयोध्या निवासियों ने घरों को भी गेस्ट हाउस में परिवर्तित कर लिया है। यात्रियों की सुविधा के लिए बहु-भाषी साईन बोर्ड सड़क पर लगाये गये तथा 250 पुलिस गाईडों की तैनाती की गई। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस की पुख्ता व्यवस्था के साथ सीसीटीवी से शहरभर की निगरानी की जा रही थी। हर यात्री स्व अनुशासित होकर रामलला के दर्शन कर अपने को भाग्यशाली मान रहा था। ऐसा भक्तिमय वातावरण था जैसे त्रेता युग की अयोध्या हो तथा वनवास से राम लौटे हो।

राम की मूर्ति व शृंगार का वर्णन

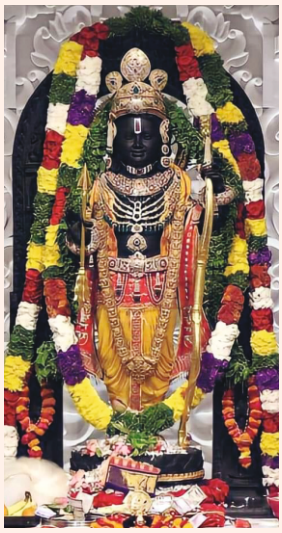

कर्नाटक के काले पत्थर से मूर्तिकार अरुण योगीराज द्वारा बनायी गई 5 वर्षीय बाल रामलला की मूर्ति की अद्‌भुत, अलौकिक तथा अविस्मरणीय छवि देखने योग्य थी। रामलला का अद्‌भुत शृंगार था। उनके आभूषणों में सिर पर हीरे जवाहरात से सुसज्जित स्वर्ण मुकुट जिसके मध्य में भगवान सूर्य अंकित हैं, कानों में मयूर आकृति के कर्ण आभूषण, कंठ में हीरे माणक जड़ित सोने का कंठाहार तथा नीचे पन्ने की लड़ियां, हृदय पर हीरे-माणक जड़ित कौसुत्म्भ मणी, हृदय पर पाँच लड़ियों का रत्न जड़ित हार जिसमें पन्नों का अलंकरण, गले में स्वर्ण का लम्बा वैजयन्ती हार, स्वर्ण की रत्नजड़ित करघनी, स्वर्ण के भुजबन्ध, हाथों में रत्नजड़ित कंगन, दोनों हाथों की अंगुलियों में सोने की मुद्रिका, पैरों में पैजनिया तथा मस्तक पर हीरे-माणक का मंगल तिलक था। इसके अलावा बांयें हाथ में सोने से निर्मित तथा मोती, माणक्य व पन्ने से युक्त धनुष तथा दाहिने हाथ में सोने से निर्मित तीर भी सुशोभित है। भगवान राम की मूर्ति के ऊपर सोने का छत्र लगा हुआ है।

राम की मूर्ति के चारों ओर दशावतार की मूर्तियां बनाई गई हैं जिसमें भगवान के अवतार : मत्स्य, कुर्म, बराह, नरसिंह, वामन, परशुराम, राम, कृष्ण, बुद्ध, कल्की उत्कीर्ण है। इसके अतिरिक्त इस पर सूर्यदेव, सुदर्शन चक्र, ओम, हनुमान, शंख, स्वास्तिक और गरुण तथा कमल भी उत्कीर्ण किए गए हैं।

राम मंदिर के लिए भेजे गए तोहफे

- नेपाल से 30 नदियों का जल अभिषेक हेतु भेजा गया।
- जनकपुर, नेपाल से 3000 उपहार लेकर 500 लोग 36 वाहनों से अयोध्या आये।
- नेपाल ने सोने का धनुष-बाण भेजा है।
- कम्बोडिया से हल्दी भेजी गई है।
- पूणे की महिलाओं ने रामलला के वस्त्र भेजे हैं। इनमें सोने का काम है।
- जोधपुर के संदीपन आश्रम से हवन, आरती व भोग के लिए 600 किग्रा शुद्ध देशी घी भेजा गया।
- जयपुर से 2100 पीपे सरसों का तेल सीता रसोई के लिए भेजा गया, 50 संत इसके साथ गये हैं।
- कोटा (राजस्थान) के राहुल जैन ने सोने-चांदी के हत्थे वाले झाड़ू भेजे हैं। झाड़ू के हत्थों पर 100-100 ग्राम अष्टधुत के ऊपर आधा तोले सोने और दूसरे में 100 ग्राम चांदी की पर्त है।
- श्रीलंका ने अशोक वाटिका की एक चट्टान भेजी है।
- गुजरात से 108 फीट लम्बी व 3610 किग्रा. की अगरबत्ती भेजी गई है।
- दबगर समाज, गुजरात ने 500 किग्रा. का नगाड़ा भेजा है।
- अलीगढ़ के सत्यप्रकाश शर्मा ने 400 किग्रा. का ताला बनाकर भेजा है।
- लखनऊ के एक सब्जी विक्रेता ने 9 देशों का समय बताने वाली घड़ी भेजी है। इसके अलावा और भी उपहार आए हैं।

राम मंदिर की विशेषताएं

- राम मंदिर परिषद 57 एकड़ का है। इसमें से ढाई एकड़ में तीन मंजिला मंदिर बनाया जा रहा है।
- जिसमें पांच गुम्बद होंगे। अभी एक मंजिल का कार्य ही पूर्ण हुआ है। शेष खाली भाग में हरियाली रहेगी।
- मंदिर बनाने के लिए 14 मीटर मोटी कंक्रीट की नींव डाली गई है तथा 21 फुट ऊँचे ग्रेनाइट पत्थरों के ब्लॉक से चबूतरा बनाया गया।
- मंदिर नागरशैली में बनाया गया है जिसमें द्रविड़ शैली को भी स्थान मिला है।
- पूरा मंदिर बंशी पहाड़पुर (भरतपुर, राजस्थान) के पिंक पत्थरों से निर्मित है। भवन में लोहे का इस्तेमाल नहीं किया गया बल्कि पत्थर में ही इन्टर लॉकिंग सिस्टम रखकर पत्थरों को एक दूसरे से फंसाया गया है।

- मंदिर 235 फीट चौड़ा, 360 फीट लम्बा तथा 161 फीट ऊँचा रखा गया है। प्रत्येक मंजिल 20 फीट ऊँची होगी।
- मंदिर पर 44 फीट ऊँची ध्वजा होगी।
- मंदिर में 318 कलात्मक खम्भे हैं जो 14.6 फीट के हैं इन्हें बनाने के लिए 4000 मजदूर लगे हैं तथा चारों ओर मजबूत दीवारें हैं।
- मंदिर के बाहर परकोटा तथा 12 फीट का परिक्रमा पथ रखा गया है।
- मंदिर प्रवेश के लिए दो रैम्प तथा एक लिफ्ट का भी प्रावधान है। मंदिर में जाने के लिए 32 सीढ़ियां बनाई गई हैं।
- मंदिर का मॉडल अशोक सिंघल के द्वारा अनुमोदित किया गया था। वर्तमान मंदिर उसका विस्तृत रूप है।
- मंदिर के मुख्य वास्तुकार श्री चन्द्रकान्त सोमपुरा हैं।
- मंदिर निर्माण का जिम्मा एल एण्ड टी कम्पनी का रहा है। इसके प्रोजेक्ट इंजीनियर विनोद मेहता जोधपुर निवासी हैं।
- मंदिर में 44 द्वार हैं जिन पर सागवान की लकड़ी पर कलात्मक कार्य किया गया है।

- गर्भगृह का दरवाजा 8 फीट ऊँचा तथा 12 फीट चौड़ा है जिसमें लौहे की किले व वोल्ट नहीं है।
- मंदिर के बाहर चारों ओर रामायण की घटनाओं की मूर्तियां लगाई गई हैं, भीतरी दिवारों पर सनातन की जानकारी हेतु पीतल के भीत्ति चित्र लगे हैं।
- मंदिर में दोनों ओर प्रार्थना मण्डप और नृत्य मण्डप है।
- श्रद्धालु पूर्वी द्वार से प्रवेश करके क्रमशः सिंहद्वार, नृत्यकक्ष, रंगकक्ष, शुभकक्ष और फिर गर्भगृह में जाकर रामलला के दर्शन कर सकेंगे। राम दरबार प्रथम मंजिल पर रखा जाएगा।
- मंदिर परिसर के चारों कोणों में सूर्य, शंकरजी, देवी भगवती तथा गणेशजी के मंदिर होंगे।
- मंदिर 1000 वर्ष तक मजबूती से खड़ा रहेगा तथा बाढ़ व भूकम्प आदि का इस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- मंदिर में चार वर्ष तक 4000 श्रमिकों ने निर्माण कार्य में योगदान दिया।
- मंदिर निर्माण के लिए 3500 करोड़ रुपए का दान प्राप्त हुआ तथा सरकार का एक पैसा भी नहीं लगा है। **– रमेश गेदर**

अयोध्या में वाटर स्पोर्ट एडवेंचर की शुरुआत

अयोध्या धार्मिक नगरी अब पर्यटक नगरी भी बन रही है। अब यहां आने वाले पर्यटक सरयू नदी की लहरों पर रफ्तार का मजा ले सकेंगे। यहां नदी में चलने वाली स्पीड जेट बाइक और स्टीमर बोट चलाई जा रही हैं, जिसमें किराया देकर लोग एडवेंचर का आनंद ले रहे है।

अभी तक गोवा और अन्य समुद्री तटों के किनारे इस तरह की स्पीड बोट के जरिए पानी की लहरों में तेज रफ्तार के साथ बोट का मजा लिया जा सकता था, लेकिन अब धर्म नगरी अयोध्या में भी स्पोर्ट एडवेंचर की गतिविधि शुरू की गई है। इसमें 500 रुपए प्रति व्यक्ति के हिसाब से पानी में चलने वाली स्पीड जेट बाइक और 400 रुपए प्रति व्यक्ति स्टीमर बोट का किराया देकर लोग सरयू नदी की लहरों में तेज रफ्तार का मजा ले सकते हैं।

अयोध्या में पर्यटकों की संख्या बढ़ती संख्या को देखते हुए इस तरह की गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। अयोध्या को आध्यात्मिक नगरी के साथ पर्यटन नगरी के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां क्रुज का पहले से ही संचालन हो रहा है।

नावां के लक्ष्मण की राम मंदिर में कारीगरी

कुमावत समाज के कारीगर भवन निर्माण क्षेत्र में उम्दा माने गए हैं। इसी कड़ी में अयोध्या में बने रामलला के मंदिर के गर्भगृह, रंगमंडप, नृत्यमंडप, परिक्रमा, गुड मंडप और सीढ़ियों में लगे मकराना के संगमरमर की फर्श में कलात्मक कारीगरी का कार्य नावां के लक्ष्मण कुमावत के हाथों से हुआ है। इस कार्य में व्यस्त रहने के कारण वे एक वर्ष से घर नहीं गये थे।

अयोध्या के राम मंदिर का इतिहास

अयोध्या में रामजन्मभूमि पर श्रीराम का एक भव्य मंदिर महाराज कुश ने बनाया था जो सनातन धर्म तथा भारतीय संस्कृति का सर्वोच्च प्रतीक था। बाबर के भारत पर आक्रमण के बाद उसके सेनापति मीर बांकी ने सन् 1528 में इस मंदिर को ध्वस्त कर हिन्दू धर्म को चोट पहुंचाने का कार्य किया तथा उसके मलबे से बावरी मस्जिद का निर्माण कराया। तभी से साधु-संतों तथा धर्म गुरुओं ने राम मंदिर के लिए आन्दोलन किए तथा यह संघर्ष कुल 64 बार हुआ। जिसमें लाखों साधु-संत एवं श्रद्धालुओं ने अपने प्राण दिए। वर्ष 1857 में ब्रिटिश सत्ता के विरुद्ध हुए आन्दोलन के समय भी राम जन्मभूमि के मुद्दे पर सुलह व मुक्ति के प्रयास हुए किन्तु अंग्रेजों ने हिन्दू-मुस्लिम एकता को तोड़ने के प्रयास के तहत ऐसा नहीं होने दिया तथा आन्दोलन के नेतृत्वकर्ताओं को फांसी दे दी। भारत की स्वतंत्रता के बाद 1947 में सोमनाथ की तर्ज पर राम जन्मभूमि की मुक्ति का प्रयास किया जो विफल रहा। वर्ष 1949 में राम जन्मभूमि पर भगवान श्रीराम की मूर्ति का प्राकट्य हुआ। वर्ष 1983-84 में राम जन्मभूमि में रखी मूर्ति के ताले खोलने के लिए आन्दोलन प्रारम्भ हुआ तथा वर्ष 1986 में अदालत के आदेश से ताले खोले गए। सितम्बर 1990 में विश्व हिन्दू परिषद, आरएसएस तथा शिव सेना ने राम मंदिर निर्माण के लिए आन्दोलन चलाया। लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में सोमनाथ से अयोध्या रथ यात्रा भी निकाली गई। 30 अक्टूबर 1990 और 2 नवम्बर 1990 को निहत्थे कारसेवकों पर मुलायम सिंह सरकार ने गोली चलवाई जिसमें कोठारी बंधु सहित अनेक कारसेवकों ने बलिदान दिया।

केन्द्र की नरसिंह राव सरकार तथा यूपी की कल्याण सिंह सरकार के समय कारसेवकों ने उद्वेलित होकर बावरी मस्जिद का ढांचा ध्वस्त कर दिया। इसके बाद लम्बी कानूनी लड़ाई सुप्रीम कोर्ट तक चली जिसमें माननीय सुप्रीम कोर्ट ने 9 नवम्बर, 2019 हिन्दू पक्ष में निर्णय दिया तथा एक न्यास की स्थापना की गई।

राम जन्मभूमि पर 5 अगस्त, 2020 को मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया तथा उस पर एक भव्य, नव्य तथा दिव्य मंदिर का निर्माण हुआ है। जिसमें राम लला के बाल रूप की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी, 2024 को हुई जिसके मुख्य यजमान भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बने। यह मंदिर 23 जनवरी, 2024 से आमजन के लिए खोल दिया गया है।

''एक शाम श्याम सांवरे के नाम'' भजन संध्या का आयोजन
भक्तिमय हुआ माहौल

श्री श्याम प्रेमी परिवार व श्री श्याम सेवक परिवार समिति रजि. के तत्वाधान में भजन संध्या ''एक शाम श्याम सांवरे के नाम'' का आयोजन सोडाला जयपुर स्थित ओमकार मैरिज गार्डन में हुआ। जिसमें अवधेश दास महाराज, सिविल लाईन विधायक गोपाल शर्मा, भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत, अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार और सामाजिक न्याय संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कार्यकारी ब्रजेश पाठक ने पहुंच कर बाबा का आशीर्वाद लिया। इससे पूर्व श्री श्याम बाबा का विदेशी व सुगंधित फूलों से भव्य श्रंगार किया गया इसके बाद श्याम बाबा के सम्मुख ज्योत प्रज्वलित की गई जहां भक्तों ने श्याम बाबा के दर्शन कर पवित्र ज्योत में सामग्री डालकर पुण्य लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम संयोजक शंकरलाल बालोदिया व डिम्पल बालोदिया ने बताया कि कार्यक्रम की पूर्व संध्या पर मेहंदी रस्म, ताली कीर्तन, बाबा का अभिषेक व हवन किया गया। कार्यक्रम में इत्र वर्षा व पुष्प वर्षा कर बाबा का भव्य दरबार सजाकर अलौकिक श्रृंगार किया गया। कार्यक्रम के दौरान बाबा को छप्पन भोग लगाया गया। श्याम प्रेमियों, समाजबंधुओं व अतिथियों का राजस्थानी परम्परा के अनुसार साफा, माला व दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया।

गायक कलाकार धमाल किंग मनीष गर्ग (घी वाले) ने एक से बढ़कर एक भजनों व चंग धमाल की प्रस्तुति देकर भक्तों को श्याम भक्ति में लीन कर दिया। 'मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे', 'कान्हा तो दीवाना है बरसाने वाली का', 'नंद बाबा का लाडला' जैसी प्रस्तुतियों ने सभी को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस दौरान पंडाल श्याम प्रभु की जय, तीन बाण धारी की जय, हारे के सहारे की जय के घोष से गुंजायमान रहा। भजन संध्या में आए यश-राज नायला, तृप्ति लड्ढा, महेश परमार, भारती कुमावत, रितु पांडे, अमित नामा, अभिषेक खण्डेलवाल, प्रथम कुमावत, अनुज गोयल, नितिन मोदी व रिहांश गर्ग ने श्याम प्रभु के भजनों की एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

इस अवसर पर भागचंद बैरा, कैलाश कुमावत, रूडमल कारगवाल, विजेंद्र मारवाल, सुरेंद्र मारोठिया, जयसिंह गुडीवाल, पीयूष कुमावत, परेश श्रीवास्तव, उषा कुमावत, सोनम कुमावत, रेनू कुमावत, मीना कुमावत, चेतन बालोदिया, पर्वतारोही दीपक शर्मा, प्रथम कुमावत, राकेश कुमावत एडवोकेट, नरेंद्र गुड़ीवाल, बाबूलाल माली (डायमंड फ्लोरिस्ट), प्रथम गुड़ीवाल व राकेश सोनी उपस्थित थे।

चेतन कुमावत जिलाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर सामाजिक प्रवास पर

भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत सामाजिक प्रवास पर रहे। प्रवास के दौरान समाज के प्रबुद्धजन व बुद्धिजीवियों से मुलाकात की। प्रधानमंत्री की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने व उचित ढंग से क्रियान्वयन एवं लाभ के उद्देश्य से ढेहर के बालाजी, चौमूं, निवाणा, सीकर रोड, नींदड क्षेत्र में केन्द्र की योजनाओं से अवगत कराया। कुमावत क्षत्रिय महासभा रजि. के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य मालीरामजी कुमावत, शिवदयालजी कुमावत, राजेन्द्र कुमावत (राजू का सफरनामा), अर्जुन जी घोडेला व उनके परिवार से मुलाकत की। श्री कुमावत समाज विकास संस्था, चौंमू के अध्यक्ष छोटीलाल जलान्द्रा ने जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत को साफा, दुपट्टा पहनाकर व श्याम प्रभु का चित्र भेंट कर स्वागत किया। वहां उपस्थित समाजबंधुओं को प्रधानमंत्री की आयुष्मान भारत योजना, सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, विश्वकर्मा योजना के बारे में जानकारी दी और कहा कि यह योजनाऐं लोगों के जीवन को सरल बनाने के लिए शुरू की गई हैं। जनता को इनका फायदा उठाना चाहिए और जनप्रतिनिधियों को इन योजनाओं में अपनी पूरी भागीदारी निभानी चाहिए। इस अवसर पर शिवदयाल कुमावत, मालीराम कारगवाल, जयसिंह गुडीवाल, पीयूष कुमावत सहित समाज के गणमान्य व बुद्धिजीवी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल से मिले चेतन कुमावतः हस्तशिल्प उद्योग की समस्याओं से कराया अवगत

भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष व हस्तशिल्प के निर्माता व निर्यातक चेतन कुमावत ने माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर सामाजिक व हस्तशिल्प कला क्षेत्र में ''राजस्थान प्रदेश की अर्थव्यवस्था में योगदान'' पर चर्चा की। चेतन कुमावत ने हस्तनिर्मित स्थानीय उत्पाद अशोक स्तम्भ भेंट कर अभिनंदन किया। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हस्तशिल्प कला की जमकर तारीफ की और कहा कि आप हस्तशिल्प कला को बढ़ावा देने में महति भूमिका का निर्वहन कर रहे है, आपके स्टूडियो के उत्पाद प्रधानमंत्री कार्यालय सहित विभिन्न मंत्रालयों के कार्यालयों की शोभा बढ़ा रहे हैं जो कि बड़े गर्व की बात है। चेतन कुमावत ने कहा आज लाखों लोग हस्तशिल्प उद्योग से जुडे हुए हैं। उन्होंने सामाजिक व हस्तशिल्प उद्योग की समस्याओं से सीएम को अवगत कराते हुए उनके निराकरण का आग्रह किया।

टीम चेतन धुंधारिया ने पेश की मानवता की मिसाल

जयपुर जिले के ग्राम निवाणा के रहने वाले सांवरमल कुमावत का वर्ष 2009 में एक सड़क दुर्घटना में रीढ़ की हड्डी टूट गई थी। सांवरमल कुमावत पिछले 14 वर्षों से बिस्तर पर है। राजेन्द्र कुमावत (राजू का सफरनामा) ने सोशल मीडिया पर अपील सहयोग लिए की उसी से प्रेरित हो टीम चेतन धुंधारिया के संस्थापक व भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत ने सांवरमल कुमावत को 11,000 नकद दिए व 1,000 रुपये प्रतिमाह देने की घोषणा की। टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता जयसिंह गुडीवाल ने बताया कि सांवरमल कुमावत की रीढ़ की हड्डी क्या टूटी पूरे परिवार के सामने दो जून की रोटी के भी लाले पड गये हैं। सांवरमल कुमावत ने ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत का आभार प्रकट करते हुए कहा कि ''साहब जी मैं आपका और आपकी टीम का तहे दिल से शुक्रिया करता हूं कि आपने इस दुख की घड़ी में मुझ पीडित को जीने की नई उम्मीद जगाई है। मुझे अब समाज के भामाशाह व रिश्तेदारों का ही सहारा है।

कुमावत इंडिया पत्रिका के सह सम्पादक जयसिंह गुडीवाल अब होंगे
स्वागत गुजरात दैनिक/साप्ताहिक/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के ब्यूरो चीफ
कुमावत इंडिया पत्रिका व टीम चेतन धुंधारिया द्वारा किया गया स्वागत

टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता, भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिला मंत्री, भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा उ.पू. जोन, लालकोठी क्षेत्र के जोन प्रतिनिधि जयसिंह कुमावत को ''स्वागत गुजरात दैनिक/साप्ताहिक/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया'' में ''ब्यूरो चीफ'' बनाया गया है। जयपुर के जयसिंह कुमावत को स्वागत गुजरात मीडिया ने बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। मीडिया में अपना अहम स्थान बनाये रखने के लिए स्वागत गुजरात प्रबन्धन ने जयसिंह कुमावत को जयपुर संभाग का ब्यूरो चीफ बनाया है। कुमावत लंबे समय से मीडिया से जुड़े हुए हैं। सामाजिक मीडिया में कुमावत की मजबूत पकड़ मानी जाती है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में सह सम्पादक की भूमिका में अपनी कलम से अनेक रचनाएं लिखकर दमदार लेखनी का परिचय दिया। इनकी 100 से अधिक रचनाओं का प्रकाशन विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं व समाचार पत्रों में हो चुका है। इनके द्वारा लिखित लेख ''आधुनिकता की दौड़ में संस्कृति से अलग होती युवा पीढ़ी'', ''कोरोना को दी जा रही है दावत, लापरवाही की हदें पार'', ''सामाजिक संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी'' तथा आलेख ''टीम चेतन धुंधारिया की कहानी, जयसिंह गुडीवाल की जुबानी'' काफी चर्चित रहे हैं।

कुमावत को ब्यूरो चीफ बनाये जाने पर टीम चेतन धुंधारिया के संस्थापक चेतन कुमावत व सदस्यों द्वारा सम्राट होटल में फूलमाला व साफा पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। सभी ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। चेतन कुमावत ने कहा कि दमदार व अनूठी लेखन शैली के धनी जयसिंह कुमावत को ब्यूरो चीफ बनाकर मजबूत कदम उठाया है इससे स्वागत गुजरात मीडिया को मजबूती मिलेगी और नये आयाम स्थापित करेगी।

इस अवसर पर टीम चेतन धुंधारिया के संस्थापक व भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत, राज ब्लॉक्स के चेतन बालोदिया, राकेश कुमावत एडवोकेट, राकेश सोनी, संदीप कुमावत, शंकरलाल बालोदिया (वन्दना फ्लावर्स), भगवान सहाय कुमावत, ओमप्रकाश कुमावत, पीयूष कुमावत, गणेश कुमावत, उषा कुमावत, मेघना कुमावत व कुनाल नावरिया (मानपुरा माचेडी) व धर्मसिंह राठौड मौजूद थे।

SBK हॉस्टल व लाइब्रेरी द्वारा दूध महोत्सव का आयोजन:
दूध पिलाकर नशे से दूर रहने का दिया संदेश

जयपुर। SBK हॉस्टल व लाइब्रेरी के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 'दूध महोत्सव' का आयोजन किया गया। गुर्जर की थडी स्थित SBK हॉस्टल व लाइब्रेरी प्रांगण में देर शाम युवाओं को मनुहार के साथ दूध पिलाकर नशे से दूर रहने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सिविल लाइन के विधायक गोपाल शर्मा व समाजसेवी, भामाशाह व भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत ने किया। SBK हॉस्टल व लाइब्रेरी के संचालक **सोहन कुमावत** ने बताया कि पिताजी की याद में प्रति वर्ष यह आयोजन किया जाता है। कड़ाके की ठंड में लोगों को गर्मागर्म केसर वाला दूध पिलाकर नशे से दूर रहने तथा दूसरों को भी नशे से दूर रखने का प्रयास करने का संदेश दिया गया है साथ ही युवाओं को नशे से दूर रहने का संकल्प भी दिलाया गया। विधायक गोपाल शर्मा ने कहा कि नशे के कारण सबसे अधिक प्रभावित युवा वर्ग है। इससे उनका मानसिक संतुलन खराब हो रहा है। एक बार नशे की लत में पड़ने के बाद इससे निकलना मुश्किल हो रहा है। ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत ने कहा कि आज युवा वर्ग इस लत में इस कदर डूबा रहता है कि इसके दुष्परिणामों के बारे में नहीं सोचता। छोटे-छोटे बच्चे व युवतियां भी इस नशे की गिरफ्त में हैं उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए दूध पीने की सलाह दी। सोहन कुमावत द्वारा की गई इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि नशे से दूर रहने का संदेश देने का यह अच्छा तरीका है।

इस अवसर पर जयसिंह कुमावत पीयूष कुमावत ललित जालवाल अंशु शर्मा पार्षद राजेन्द्र कुमावत मौजूद थे।

1100 हनुमान मंदिरों की फोटो एक फ्रेम में

शिवजीराम कुमावत व एडवोकेट रामलाल कुमावत दोनों भाईयों ने जयपुर क्षेत्र की 19 विधानसभा क्षेत्रों की यात्रा करके वहां के प्रमुख 1100 मंदिरों की फोटो जुटाई। इनमें प्रमुख है खोले के हनुमान जी, बंदे बालजी, काले हनुमान खेड़ापति बालाजी, पंचमुखी हनुमान, चौकवाले हनुमान जी आसलपुर, बालाजी गुढ़ा बेरसल आदि।

जयपुर क्षेत्र में स्थित 1100 हनुमान मंदिरों की फोटो एक फ्रेम में समाहित करके इन भाईयों ने अनूठी मिसाल पेश की है। इनका उद्देश्य है कि आमजन को जयपुर स्थित हनुमान मंदिरों की जानकारी देकर धार्मिकता बढ़ाना तथा 2×3 फीट के फोटो फ्रेम में दर्शन कराना। इससे मंदिरों के रखरखाव व जीर्णोद्धार में भी सहयोग मिल पाएगा जिससे यहां जाकर पूजा पाठ, सामुहिक भजन एवं दर्शन करने को प्रेरित होंगे।। इसे नाम दिया गया **''सहस्त्रदर्शन अभियान''** यह अभियान जनवरी 2021 में शुरू किया जिसमें उन्हें 1 वर्ष का समय लगा। अब वे इस फ्रेम का 2022 से वितरण कर रहे हैं।

भारत सूर्य पर मिशन भेजने वाला तीसरा देश बना

सौर वैद्यशाला आदित्य एल-1 उपग्रह को भारत ने सूर्य के हेलो ऑर्बिट (लैगेन-1) में स्थापित करके ऐसा करने वाला विश्व का तीसरा देश बना। अभी तक अमेरिका की नासा तथा युरोपियन स्पेस एजेन्सी (नासा के सहयोग से) सूर्य पर मिशन भेज पाये थे। यह स्थल सूर्य-पृथ्वी से 15 लाख किमी दूरी पर है। आदित्य एल-1 उपग्रह सूर्य की परिक्रमा 177.86 दिनों में पूरी करेगा। यह उपग्रह 5 वर्षों तक रहकर सूर्य के कई रहस्य बता पायेगा। जिस कक्षा में यह स्थापित हुआ वह सूर्य-पृथ्वी-उपग्रह की त्रैयामी कक्षा कहलाती है जो पृथ्वी के चुम्बकीय क्षेत्र से बाहर है। जहां दोनों पिंडों के गुरुत्वाकर्षण प्रभावों के बीच साम्यता है। यह सूर्य के प्रभा मंडल, सूर्य कॅरोना, सौर लपटों एवं हवाओं और सूर्य के चुम्बकीय क्षेत्रों का अध्ययन करेगा। आदित्य एल-1 में सभी कुछ स्वदेशी है। नि:संदेह यह भारत के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

रसोई से....

मटर के कोफते की जायकेदार सब्जी

सामग्री:- 250 ग्राम मटर, 25 ग्राम अदरक, 25 ग्राम लहसुन, 2 चम्मच धनिया, 1 चम्मच हरी मिर्च, 1 चुटकी सफेद मिर्च, गर्म मसाला, नमक स्वादानुसार, 50 ग्राम मक्खन, 50 ग्राम क्रीम, 50 ग्राम पनीर, 2 आलू, 1चम्मच कॉर्नफ्लोर, 1 चम्मच मैदा, 200 ग्राम मटर।

विधि:- उबले आलू और पनीर एक साथ मैश कर लें। इसमें नमक, हरी मिर्च, अदरक, धनिया व्हाइट पेपर, थोड़ा सा कॉर्नफ्लोर, मैदा मिलाकर कोंफते तैयार करें। इन्हें गोल्डन ब्राउन होने तक तलें।

ग्रेवी के लिए:- कड़ाही में तेल गर्म करें। अदरक-लहसुन पेस्ट बनाकर भून लें। अब 50ग्राम मटर का पेस्ट बनाएं इसे भी उसमें मिला दें। थोड़ी देर पकने दें। लालमिर्च पाउडर, गर्म मसाला, मक्शन, क्रीम डालकर ग्रेवी गाढ़ी होने तक पकाएं।

परोसने से पहले ग्रेवी में कोफते डालें और ऊपर से गर्म मसाला, धनिया डाल दें। अदरक व हरी मिर्च के साथ सजाएं। **-सोनम कुमावत,** बरकत नगर, जयपुर

पीले चावल और अलख, घर-घर का संगीत

भेज रहे हैं पीले चावल,
घर-घर अलख जगाने को।
मंदिर में है प्राण प्रतिष्ठा,
न्यौता सबका आने को।
यह 2024 जीवन में,
खुशियां लेकर आया है।
जन-जन के भगवान राम ने,
अब अपना घर पाया है।
अब तक था तिरपाल शीश पर,
उससे मुक्ति दिलाने को।
मन्दिर में है प्राण-प्रतिष्ठा,
न्यौता सबका आने को....।
जन्म भूमि राघव की प्यारी,
पर यवनों का डेरा था।
मन्दिर भव्य जहां पहले था,
जिस पर पानी फेरा था।
तोड़ उसे बाबरी बनाया,
ताकत हमें दिखाने को
मन्दिर में है प्राण-प्रतिष्ठा,
न्यौता सबका आने को....।
गये पांच सौ साल,
हजारों भक्तों ने बलिदान दिया।
मन्दिर भव्य बनेगा फिर से,
प्रभु का यह आह्वान किया।
आज उन्हीं भक्तों को मिलकर,
श्रद्धा सुमन चढ़ाने को।
मन्दिर में है प्राण-प्रतिष्ठा,
न्यौता सबको आने को...।
दीनदयाल दिवाली फिर से,
घर पर सभी मनायेंगे।
पूर्ण हुआ वनवास राम का,
गीत खुशी के गायेंगे।

समय लौट कर
नहीं आता है,
इतनी याद दिलाने
को...।

- सीमा राज मारवाल

खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन: बालक-बालिकाओं व महिलाओं ने दिखाया दमखम

श्री कुमावत क्षत्रिय महिला विकास समिति, जयपुर द्वारा 9वीं खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बालक-बालिकाओं व महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पवन कुमावत वर्ल्ड चैम्पियन स्टैंथ लिफ्टिंग, विशिष्ट अतिथि आशुतोष कुमावत सह संयोजक भाजपा खेल प्रकोष्ठ व आशा कुमावत वेट लिफ्टर थे। कार्यक्रम में चेतन धुंधारिया, सी.बी.जे. आर्ट एंड क्राफ्ट, मूलचंद खोवाल, जयसिंह गुडीवाल, सविता, उषाराज कारगवाल का विशेष सहयोग रहा। मंच संचालन शोभा खोवाल ने किया।

मुख्य अतिथियों द्वारा प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बालक-बालिकाओं व महिलाओं को स्मृति चिह्न व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। संस्था की अध्यक्ष सुनीता नांदीवाल ने बताया कि नींबू दौड़, तीन टांग दौड, रस्साकसी, सर पर गिलास, म्यूजिकल चेयर, बैलून गेम, बोरी जम्पिंग, मेढ़क दौड़ व खो-खो आदि प्रतियोगिताएं आयोजित करवाई गई। प्रतियोगिताओं से समाज की खेल प्रतिभाओं को निखारने में मददगार साबित होती है।

विशिष्ट अतिथि आशा कुमावत ने विजेताओं को सम्मानित करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताओं से खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का काम करेंगी और यही प्रतिभाऐं आगे बढ़कर देश व समाज का रोशन करेगें। समिति की वरिष्ठ संरक्षिका उमा कछवाह ने कहा कि मस्तिष्क के विकास का साधन शिक्षा है और शारीरिक विकास का साधन खेल हैं इससे बच्चों में स्नेह और मित्रता का भाव जागृत भी होता हैं। समिति की महामंत्री माया घोडेला ने कहा कि समाज में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, बस जरूरत है इन्हें तराशने की। समिति की खेल मंत्री गीता बालोदिया ने कहा कि प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य खेलों के प्रति युवाओं व महिलाओं की रूचि बढ़ाने और उन्हें और अधिक प्रतिभावान बनाना है। ताकि आगे चलकर युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिल हो सके। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य समाजजन उपस्थित रहे।

महेन्द्र कुमावत को पीएचडी उपाधि

महेन्द्र कुमावत पुत्र जगदीश प्रसाद कुमावत (सेवानिवृत्त अध्यापक) निवासी कारगवालों की ढाणी, गुढा बैरसल को राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर की ओर से शिक्षा शास्त्र विषय में डॉक्ट्रेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। उन्होंने स्टडी ऑफ द इम्पैक्ट ऑफ कंटीन्यू अस एंड कॉम्प्रेहेसिंव इवैल्यूएशन ऑन टीचर्स वर्किंग एफिशिएंसी वर्कलोड एंड स्टूडेंटस मेंटल प्रेशर एंड अचीवमेंट टॉपिक पर अपना शोध कार्य प्रो. सुनीता भार्गव के निर्देशन में पूर्ण किया।

अटल तिरंगा सम्मान 2023

सैल्यूट तिरंगा द्वारा देश के 30 गणमान्य देशभक्त, राष्ट्रवादी विचारक, समाजसेवी और सराहनीय कार्य करने वालों को दिल्ली में सम्मानित किया गया। इसमें सेल्यूट तिरंगा राजस्थान के प्रदेश उपाध्यक्ष संजीव वर्मा को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री श्री महेंद्र नाथ पांडे, सांसद मनोज तिवारी, राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश झा, आदरणीय कपिल स्वामी जी, सच्चिदानंद पोखरियाल जी, गिरीश पाठक भी उपस्थित थे।

हरिपुरा में विद्यार्थियों को पिलाया काढ़ा

उदयपुरवाटी ब्लॉक उदयपुरवाटी के हरिपुरा ग्राम की राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में मंगलवार को आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनीता सैनी ने यहां के विद्यार्थियों की स्वास्थ्य जांच की और उन्हें रोग प्रतिरोधक काढ़ा बनाकर पिलाया गया। स्टाफ सहित करीब 80 जनों ने यह आयुर्वेदिक काढ़ा पिया। इस दौरान कंपाउडर बाबूलाल वर्मा व अध्यापिका कमलेश मीणा का इस पुनीत कार्य में सहयोग रहा तथा प्रधानाध्यापिका निर्मला चौधरी ने इस की गई स्वास्थ्य सेवा के लिये आयुर्वेद स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

V & D कलेक्शन मेन्स वियर शोरूम का हुआ शुभारंभ

जयपुर। झोटवाडा मेन रोड़, खातीपुरा में **V & D कलेक्शन मेन्स वियर** शोरूम का उद्घाटन भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत व गुजरात भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य कैलाश घोडावड़ ने फीता काटकर किया। शोरूम के मालिक जय कुमावत, नारायण कुमावत व परसराम कुमावत ने बताया कि युवाओं में बढ़ते फैशन को ध्यान में रखते हुए यहां हर तरह के फैशनेबल और डिजाइनर परिधान, जिंस, शर्ट, टी-शर्ट व ट्राउजर उपलब्ध है।

इस अवसर पर भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत ने कहा कि अयोध्या में 22 जनवरी को भव्य मंदिर में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा का ऐतिहासिक दिन उत्सव के रूप में मनाने की तैयारियां हुई है वहीं इस दिन V & D कलेक्शन मेन्स वियर शोरूम का उद्घाटन हुआ है। इस दिन को खास बनाने के लिए इस शोरूम द्वारा खास ऑफर दिये जा रहे हैं। गुजरात भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य कैलाश घोडावड़ ने कहा कि फैशन को लेकर युवा वर्ग में बड़ा क्रेज है। साथ ही खुद के लुक को स्मार्ट बनाने के लिये गंभीर भी।

इस अवसर पर चेतन बालोदिया, जयसिंह कुमावत, सोहन कुमावत, राकेश सोनी, संदीप कुमावत, मधुसूदन कुमावत, उषा कुमावत, सोनम कुमावत, ओमप्रकाश कुमावत, वेटलिफ्टर आशा कुमावत, सुनीता, शांता, शेखर कुमावत, गणेश कुमावत, गणपत कुमावत, ताराचंद कुमावत, ललित जालवाल, मोहित कुमावत, मनीष कुमावत व लोकेश कुमावत सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ढूंढाड़ परिषद द्वारा पंतग महोत्सव व पौषबडा प्रसादी आयोजन

ढूंढाड़ परिषद द्वारा 13वां पतंग महोत्सयव चांदपोल, स्टेशन रोड़ स्थित गंगा माता के मंदिर में आयोजित किया गया। ढूंढाड परिषद के अध्यक्ष विजयपाल कुमावत ने बताया कि इस अवसर पर पतंगबाजी के साथ लोकगीत, लोकनृत्य व षौषबड़ा प्रसादी का आयोजन किया गया। मेहमानों ने जमकर पतंगबाजी के साथ लोक नृत्य का भी आनंद लिया। इस अवसर पर पशुपालन एवं देवस्थान विभाग के मंत्री जोराराम कुमावत, भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, सांसद रामचरण बोहरा, पूर्व महापौर ज्योति खण्डेलवाल, ढूंढाड के इतिहासकार जितेन्द्र सिंह शेखावत सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राजसमंद कुमावत समाज ने किया कलक्टर का स्वागत

कुमावत समाज, राजसमंद के प्रतिनिधिमण्डल में कुमावत समाज सहमंत्री लक्ष्मीलाल सिरोठा, कैलाश पडिहार, जगदीश बाबरिया, सुन्दरलाल कुमावत, खुशकमल कुमावत, मनोहर लाल कुमावत, जगदीश चन्द कुमावत ने कलेक्टरी परिसर में जाकर नवनियुक्त जिला कलक्टर डॉ. भंवरलाल का पगड़ी व दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया।

गीत

आज अयोध्या में अब फिर से,
आए हैं श्रीराम
बिना तुम्हारे पड़े अधूरे,
इस वसुधा पर दिखते काम
मर्यादा सब भंग हो रही,
वाद विवादों का है घेरा
अनुशासन की डोरी ढीली,
नाम प्रशासन का बस डेरा।।
शंका धुँआ उठे घर-घर से,
दूषित वातावरण तमाम
आज अयोध्या में अब फिर से,
आओ हे श्रीराम
कलुषित मन की कालिख मेंटो,
अविरल भावों से भरी नदी।
सतयुग, द्वापर, त्रेता में भी,
कहते आए सब सुखद सदी।।
जन जीवन कलियुग के डर से,
आतंकित रहे आठों याम
आज अयोध्या में अब फिर से,
आऐं हैं पुरुषोत्तम राम
खुश विभीषण चरण शरण पा,
रावण वध का भेद बन गया।
कनकमयी लंका पति मन का,
निशवासर यह खेद मन का।।
जीत मिली कब इसे समर से,
फिर भी पहुँचाया निज धाम
आज अयोध्या में अब फिर से,
आए हैं श्रीराम
बड़ा नाम है राम आपका,
सुर नर मुनि नित भजते रहते।
त्रिविधि ताप की ज्वालाओं से,
निज स्वरूप सजते रहते।।
अमर हुआ 'गणपत' रघु-वर से।
पावन हो अति ललित ललाम।
आज अयोध्या में अब फिर से,
आए हैं श्रीराम

-गणपत कुमावत
ग्राम-भादवा, जोबनेर

चिट्ठियाँ

'खो गयी वो.....'चिट्ठियाँ' जिसमें
'लिखने के सलीके' छुपे होते थे
'कुशलता' की कामना से शुरू होते थे
बडों के 'चरण स्पर्श' पर खत्म होते
थे...!!
'और बीच में लिखी होती थी 'जिंदगी'
नन्हें के आने की 'खबर'
'माँ' की तबियत का दर्द
और पैसे भेजने का 'अनुनय'
'फसलों' के खराब होने की वजह...!!
कितना कुछ सिमट जाता था एक
'नीले से कागज में'...
जिसे नवयौवना भाग कर 'सीने' से
लगाती
और 'अकेले' में आंखों से आंसू बहाती !
'माँ' की आस थी 'पिता' का संबल थी
बच्चों का भविष्य थी और
गाँव का गौरव थी ये 'चिट्ठियां'
'डाकिया चिट्ठी' लायेगा कोई बाँच कर
सुनायेगा
देख देख चिट्ठी को कई कई बार छू कर
चिट्ठी को
अनपढ भी 'एहसासों' को पढ़ लेते थे...!!
अब तो 'स्क्रीन' पर अंगूठा दौडता हैं
और अक्सर ही दिल तोडता है
'मोबाइल' का स्पेस भर जाए तो
सब कुछ दो मिनट में 'डिलीट' होता है...
सब कुछ 'सिमट' गया है 6 इंच में
जैसे 'मकान' सिमट गए फ्लैटों में
जज्बात सिमट गए 'मैसेजों' में
'चूल्हे' सिमट गए गैसों में
और इंसान सिमट गए पैसों में...

पक्षियों का प्यार

ये परिन्दे मुझे जानते हैं
ये मेरे एहसास को पहचानते हैं।
कोई तो रिश्ता है इनसे मेरा
शायद ये मुझे अपना मानते हैं।
ना मैं खुदा ना ही कोई फरिश्ता हूँ
ना मैं भोर का सूरज ना मस्तानी बयार
फिर भी ये बेजुबान पंछी मुझसे
क्यों करते हैं बेइन्तहा, बेहिसाब प्यार।
अलसुबह मुंडेर पर बैठे तकते हैं ये राह
मेरी
चहचहाते हैं, इठलाते हैं ये हर आहट पे
मेरी।
मुट्ठी भर चुग्गे की गुरु दक्षिणा लेकर
उड़ान भरना सिखाते हैं ये हौंसलों को मेरी।
सबब इंतजार का सीखा है इनसे मैंने
इनके समय में कभी फेर नहीं होती।
मेरे आने में देर फिर भी हो जाऐं
इनके आने में कभी देर नहीं होती।

मर्यादा पुरुषोत्तम राम

राजा राम राजा राम,
मर्यादा पुरुषोत्तम राम
भव सागर के पार उतारे
केवट के भव तारण राम
शिला बन गई सुन्दर नारी,
तारी अहिल्या गोकुल धाम
राजा राम राजा राम
मर्यादा पुरुषोत्तम राम
गुह निषाद संग, वन वन विचरे उनके भाग
बनाए राम
पलक बिछाए, कुटी छवाए
पंकज चरण पखारे राम
भली साधना किन्ही प्रभु की
पा गए खुद को प्रभु के धाम
राजा राम राजा राम मर्यादा पुरुषोत्तम राम
हनुमान से भक्त बना कर
विभीषण राज्य दिलाए राम
सुग्रीव का मान दिला कर
बाली वध कर किया सकाम
राजा राम राजा राम मर्यादा पुरुषोत्तम राम
पाथर तैर सेतु बंध वाये
रावण वध कर आए राम
वैदेही का मान बचाकर
अवध नरेश कहाये राम
राजा राम राजा राम
मर्यादा पुरुषोत्तम राम

-भारती तोंदवाल

रामद्रोहियों सुनो

कभी सुना है, गणिकाओं ने,
चरित्रवान के गुण गाये।
कभी सुना है, नागफनी पर,
सुन्दर मीठे फल आये।।
कभी सुना है, कोई विषधर,
पीकर दूध जहर ना उगले।
कभी सुना है, कोई बन्दर
पाकर के तलवार न उछले।।
कभी सुना नाली के कीड़े,
चन्दन बनकर महके हों।
कभी सुना है कर्कश कौवे,
कोयल बनकर चहके हों।।
कभी सुना है, किसी धूर्त ने,
वीरों का सम्मान किया।
कभी सुना है, गद्दारों ने,
भारत माँ का मान किया।।
कभी सुना है, चरित्रहीन ने,
भारत माँ का, लाल जना।
कभी सुना है, कोई पापी,
हिन्दू हित की ढाल बना।।
बीमारी है, सत्य सनातन,
इसने उन्नति रोका है।
अब, कुछ नाले, बोल रहे हैं,
पावन गंगा धोखा है।।
वर्णसंकरों की औलादें,
चरित्रवान बनना चाहें।
दो कौड़ी के दुष्ट विधर्मी,
सत्य सनातन छलना चाहें।।
आखिर, कैसे नीच लफंगे,
सत्य पुरातन पहचाने।
कोई कूकर, शूकर कैसे,
मर्म सनातन का जाने।।
समय मिला है जब भी इनको,
राम का ये अपमान करें।
अरे बंधुओं राक्षस कैसे,
रघुवर का गुणगान करें।।
किन्तु, राम के वंशज ही अब,
इनको सबक सिखायेंगे।
राम के आगमन का हम,
मिलकर पर्व मनायेंगे।।
इतना भव्य करो, इस दिन को,
कि रघुवर का मान रहे।
और सनातन सर्वश्रेष्ठ है,
सकल विश्व को भान रहे।।
हमको, यह सौभाग्य मिला है,
इसको पावन खूब करें।
और राम से जलने वाले,
स्वयं ही शर्म से डूब मरें।।
नमन करें उन रामभक्तों को
जिन्होंने बलिदान दिये तब ही तो
श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा नव मंदिर
में हो पाई।।
अब फिर से अयोध्या में गूंजेगे,
राम नाम के जयकारे,
सनातन अब युग-युग तक होगा
यह विश्व ने माना है।।
।। जय श्री राम ।।

- अज्ञात

पावर सेक्टर कुमावत ग्रुप का स्नेह-मिलन समारोह आयोजित

पावर सेक्टर कुमावत ग्रुप विद्युत क्षेत्र में कार्यरत समाजबंधुओं का एक ग्रुप है जिसका उद्देश्य समाज के लोगों को आपस में जोड़कर एकता समन्वय और सामाजिक अखंडता को बढ़ाना है।

आठवें नव वर्ष स्नेह मिलन समारोह में विशिष्ट अतिथियों के रूप में देवस्थान, मत्स्य, पशुपालन एवं डेयरी विभाग के कैबिनेट मंत्री श्री जोराराम जी कुमावत दातारामगढ़ क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी श्री गजानंद जी कुमावत और राजस्थान कुम्हार कुमावत महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर श्री आर सी कुमावत पधारे व सभी का उत्साहवर्धन किया। सभी विशिष्ट अतिथियों का माल्यार्पण कर तथा साफा पहना कर उनका स्वागत किया गया और श्री लक्ष्मी नारायण कुमावत व श्री कुंदन कुमावत व श्री भवानी शंकर बसनीवाल के द्वारा उन्हें माला पहनाई व स्मृति चिन्ह भेंट किए गए।

खेलकूद प्रतियोगिता रखी गई थी जिनमें पुरुषों की, महिलाओं की व बच्चों की म्यूजिकल चेयर, पारंपरिक खेल सितोलिया, पतंग बाजी, बैडमिंटन आदि में समाज बंधुओं ने अपनी शारीरिक दक्षता का बखूबी परिचय दिया और इन खेलों का आनंद लिया।

म्यूजिकल चेयर पुरुषों की प्रतियोगिता मेंश्री हरीमोहन कुमावत विजेता रहे। महिलाओं की म्यूजिकल चेयर में श्रीमती संतोष देवी (पत्नी श्री अर्जुन जी कुमावत होदकास्या- रींगस) विजय रही और बच्चों की म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता में मास्टर शिवान विजयी रहे।

पारंपरिक खेल **सितोलिया** में चार टीमें बनाई गई जिसमें श्री एल.एन. कुमावत जी की टीम विजेता रही।

सभी विजेताओं को विशिष्ट अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

इसके बाद **सर्वश्रेष्ठ सुसज्जित पुरुष** का पुरस्कार श्री गणेश कुमावत जी ने जीता और **सर्वश्रेष्ठ सुसज्जित महिला** का पुरस्कार श्रीमती रितु कुमावत (पत्नी श्री मनीष भास्कर- जयपुर) ने जीता।

खेलकूद प्रतियोगिताओं के बाद वर्तमान संयोजक श्री एल एन कुमावत जी व श्री कुंदनमल जी कुमावत को पदोन्नत कर संगठन के संरक्षक बनाया गया तथा उन्हें साफा पहना कर एवं स्मृति चिन्ह भेंट करके अभिवादन किया गया। इस अवसर पर संगठन की आम सभा का भी आयोजन किया गया जिसमें 11 सदस्यीय कार्यकारिणी का गठन किया गया और श्री भवानी शंकर बासनीवाल (AO-JVVNL) को संगठन का नया संयोजक मनोनीत किया गया।

संयोगवश संगठन के संरक्षक श्री लक्ष्मी नारायण जी कुमावत के पुत्र मनीष भास्कर का जन्मदिन था तो केक काटकर जन्मोत्सव मनाया गया। विद्युत क्षेत्र में कार्यरत 100 से भी अधिक समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित थे।

महासभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर श्री आर. सी. कुमावत ने सभी को सामाजिक एकता परिचय देने व भविष्य की पीढ़ी के लिए एक मजबूत सामाजिक ढांचे का निर्माण करने का आव्हान किया।

मंत्री श्री जोराराम जी ने अपने समाज की कार्यकुशलता की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमारा समाज भले ही पिछड़ा हुआ है लेकिन हम लोग जो काम हाथ में रहते हैं वह इतनी उत्कृष्टता के साथ करते हैं कि उसमें कोई हमारी बराबरी नहीं कर सकता। उन्होंने यह आश्वासन दिया कि आप विद्युत कर्मी अपने-अपने क्षेत्र में निर्भीक होकर उत्कृष्टतम कार्य करें और समाज का नाम रोशन करें, आपके कार्यक्षेत्र में यदि किसी तरह की कोई समस्या आती है तो समाज का सेवक होने के नाते वे हर समय तैयार मिलेंगे।

इसके बाद में संगठन के संरक्षक श्री एल एन कुमावत व श्री कुंदन कुमावत द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया व सभी समाज बंधुओ ने गोकुल ग्राम में प्रसिद्ध राजस्थानी व्यंजनों का आनंद लिया।

समर्पण एक धागे के समान

जब सब कुछ मिट्टी है तो हम किस चीज का अहंकार करें, किस चीज की गर्मी रखें, किस चीज का क्रोध करें, किस चीज का पश्चाताप करें ? हम जो भी हैं वो प्रकृति ने हमें बना दिया। आगे चीजें जुड़ती गई होंगी, लेकिन सुधारने का मौका है ना हमारे हाथ में। हम सुधार सकते हैं अपने आपको। हम जोड़ सकते हैं एक-दूसरे से। हम जुड़ सकते हैं एक-दूसरे से और जोड़ सकते हैं एक-दूसरे को। यदि हम चाहते हैं कि समर्पण रूपी धागा सारे विश्व को जोड़े, जैसे कि हमारी प्रदर्शनी में बताया। उन्होंने, कितना अच्छा बताया कि समर्पण एक धागे के समान है, दिखेगा नहीं, लेकिन जोड़ेगा सबको। तो जो समग्र विश्व को एक बनाने का स्वप्न है। तो सबसे पहले हम आपस में एक बने, हम सभी का एक ही उद्देश्य हो। सामूहिकता केवल शरीर की नहीं, सामूहिकता आत्मा की हो। सामूहिकता उद्देश्य की हो। सभी का उद्देश्य आत्मिक जागृति,आत्मिक विकास, आध्यात्मिक विकास और अंततः मोक्ष की स्थिति प्राप्त करना। मोक्ष मृत्यु के पश्चात प्राप्त होगा। किन्तु स्थिति ... आज और अभी से प्राप्त करनी है।

शिव कृपानंद स्वामी

परिवर्तन : समाज के विकास के लिए आवश्यक

''शाश्वत सत्य समझ स्वीकारें
हम जग में परिवर्तन,
और प्रेम से हिलमिल जी लें
चार दिनों का जीवन।''

ब्रह्माण्ड का कण-कण परिवर्तनशील है। हमारे शरीर की पुरानी कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं और उनकी जगह नई कोशिकाएं ले लेती हैं। यह तो हमारी देह की स्थिति है, हमारी आंतरिक स्थिति में और व्यक्तित्व में भी पल-पल परिवर्तन होता रहता है। पतझड़ द्वारा पत्तों में परिवर्तन आता है तो सर्दी-गर्मी द्वारा खान-पान व रहन-सहन में बदलाव आता है। अत: परिवर्तन प्रकृति का भी नियम है।

जीवन में वही आगे बढ़ते हैं जो परिवर्तन की प्रक्रिया से भयभीत नहीं होते। वे भली-भाँति जानते हैं कि स्थिरता ही जड़ता, नीरसता और निष्क्रियता की जनक है। परिवर्तन ही संसार का नियम है। जो आगे नहीं बढ़ता है, नए अनुभवों का स्वागत नहीं करता है वह अपनी जीवन की ऊर्जा को गँवा बैठता है।

हम अपने चारों ओर देखते हैं कि जो कल तक महत्वपूर्ण वस्तुएँ थी आज उनका कोई मूल्य नहीं रहा। यहाँ तक कि कल के प्रसिद्ध लोग आज में भूला दिए जाते हैं। जो इस जीवन में कुछ करने के लिए पैदा हुए हैं उन्हें बीते को भूलना और आते हुए को स्वीकार करना ही पड़ेगा। यह जीवन रुकने के लिए नहीं मिला है। कितनी भी मुसीबत आये तब भी रुकना उचित नहीं। रुकने के स्थान पर प्रतिकूलताओं से लड़ने की मन:स्थिति बनानी आवश्यक है।

मानव पुराने वस्त्र छोड़कर नए वस्त्र धारण करता है, पुराना घर छोड़कर नए घर में जाता है, और भी बहुत सी पुरानी वस्तुओं की स्थान पर नई वस्तुओं की इच्छा करता है। यह परिवर्तन आवश्यक है और जो इसको जीवन से दूर रखना चाहता है वह जीवन को बन्दी के रूप में रखना चाहता है।

वैज्ञानिक दृष्टि से देखें तो संसार में कोई भी पदार्थ नहीं, जो स्थिर रहता है। उसमें कुछ न कुछ परिवर्तन सदैव होता रहता है। इसी तरह समाज में भी परिवर्तन होता है। समाज शास्त्री मैकाइवर का कहना है कि समाज परिवर्तनशील है। यदि हम समाज में निरंतरता को बनाए रखना चाहते हैं तो हमें यथास्थिति को छोड़ अपने आचार-व्यवहार को परिवर्तनोन्मुख बनाना ही होगा। तभी हमारी प्रगति संभव है। इसके उलट, यदि हम परिवर्तन को स्वीकार नहीं करते, तो हम रूढ़िवादी हो जाते हैं। ठहरे हुए जल की तरह, जिसका सड़ना निश्चित है।

परिवर्तन स्वाभाविक काल चक्र का वरदान हैं।
सामाजिक जीवन ऋतु में परिवर्तन ही उपादान हैं।।

आज जब हम कहीं भी कोई परिवर्तन लाना चाहते हैं तो सर्वप्रथम उसका विरोध ही सामने आता है। फिर वो चाहे रूढ़िवादी परम्पराऐं हो या पुरानी सड़ी-गली मान्यताएं या फिर महिला का किसी उच्च पद पर आसीन होना हो या महिला शिक्षा और आत्मनिर्भरता का मुद्दा हो। सबसे पहले परिवर्तन का विरोध ही नजर आता है। कोई भी बदलाव को सहजता से स्वीकार नहीं कर पाता। कहीं ना कहीं पुरातनपंथी लोग अपनी पुरानी विचारधारा से ही चिपके रहना चाहते हैं। उदाहरण के लिए हम **आज एक मुहिम चला कर भात, पहरावनी और मृत्यु भोज जैसी परम्पराओं को हटा सकते है** लेकिन शायद ये सोच ही कई लोगों को समझ नहीं आएगी। इसी प्रकार **पर्दा प्रथा को समाप्त कर हम आधी आबादी को ज्यादा क्षमता से कार्य करने की आज़ादी दे सकते हैं।** परंतु यहां भी पुरातनपंथी द्वारा बड़ों की इज्ज़त, सम्मान, मर्यादा आदि की खोखली दुहाई दे दी जाएगी। क्या वास्तव मे इज्ज़त या सम्मान एक कपड़े को सर पर रखने से प्रदर्शित होता है? या अपने व्यवहार, नम्रता और सामने जबाव नहीं देने से हम अपने से बड़ों के प्रति ज्यादा इज्ज़त से पेश आ पाएंगे।

इसी प्रकार किसी भी संस्था में जहाँ हमेशा पुरुष ही मुखिया बनते आए हो यदि एक महिला अध्यक्ष बन जाएँ तो उसके लिए कुछ भी नया कर पाना कितना मुश्किल हो जाता है ये सभी जानते है। क्योंकि नए के प्रति हमारा एक पूर्वाग्रह बना रहता है और कुछ गलत नहीं हो जाए इस भय से हम परिवर्तन को मौका ही नहीं देते हैं।

अत: समाज को विकसित बनाना है तो परिवर्तन का खुले दिल से स्वागत करना होगा। साथ ही नए बदलाव को अपनी काबिलियत साबित करने का पूरा अवसर भी प्रदान करना होगा।

सुप्रसिद्ध कवि अयोध्या सिंह जी उपाध्याय 'हरिऔध' जी के अनुसार :

परिवर्तन है प्रकृति नियम का नियमन कारक।
प्रवहमान जीवन प्रवाह का पथ बिस्तारक।
परिवर्तन के समय जो न परिवर्तित होगा।
साथ रहेगा अहित, हित न उसका हित होगा।
यदि शिशिर काल में तरु दुसह
दल निपात सहते नहीं।
तो पा नव पल्लव फूल
फल समुत्फुल्ल रहते नहीं।।

कुमावत समाज के विकास हेतु अपने सुझाव आप 9408093778 मोबाइल नंबर पर whatsapp msg द्वारा भेज सकते हैं।

- डॉ प्रिया मारवाल

स्काउटिंग के संस्थापक लॉर्ड बेडेन पावेल की जीवनी

श्री प्रभुदयाल कुमावत (पीपलोदा), M.A.(हिन्दी, राज. विज्ञान, पत्रकारिता) तथा M.Ed., H.W.B. (C), LT (S) स्काउट/वरिष्ठ अध्यापक (सामाजिक विज्ञान) हैं तथा महात्मा गांधी राजकीय स्कूल अंग्रेजी माध्यम दांता (सीकर) में पदस्थापित हैं। आप राजस्तरीय पुरस्कृत शिक्षक तथा दीर्घकालीन सेवा पदक स्काउट गाइड 10 वर्षीय, 15 वर्षीय तथा 20 वर्षीय हैं। 3 से 7 जनवरी, 2023 को 16वीं स्काउट गाइड नेशनल जम्बूरी रोहट, पाली (राजस्थान) के समय आपको जम्बूरी का सुरक्षा प्रभारी बनाकर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई। आप वर्ष 1989 से निरन्तर विभिन्न राजकीय कार्यक्रमों में मंच उद्घोषक एवं कार्यक्रम संचालक की भूमिका बड़े ही आकर्षक तरीके से निभाते आए हैं जिसकी सर्वत्र प्रशंसा हुई है। आप प्रदेश प्रतिनिधि पुरस्कृत शिक्षक फोरम राजस्थान, स्काउटर प्रतिनिधि स्काउट गाइड मण्डल मुख्यालय, जयपुर, संस्थापक अध्यक्ष कुमावत युवा समिति, तह. दांतारामगढ़ (सीकर) रहे हैं।

श्री पी.डी. कुमावत द्वारा स्काउटिंग जैसी अन्तर्राष्ट्रीय संस्था के संस्थापक लॉर्ड बेडेन पावेल की जीवनी उपलब्ध कराई है, जिसका प्रकाशन निम्न प्रकार किया जा रहा है-

विश्व के सबसे बड़े वर्दीधारी आंदोलन स्काउटिंग गाइडिंग की उत्पत्ति का श्रेय संस्थापक लॉर्ड बेडेन पावेल (बी.पी.) को है। जिनका जन्म 22 फरवरी 1857 को लंदन में एक विद्वान रेवटेन्ड हबर्ट जोर्ज बैडन पावेल के घर माता श्रीमती हेनरेटा ग्रेस स्मिथ की कोख से हुआ। इनका पूरा नाम - रोबर्ट स्टीफेन्सन स्मिथ बैडेन पावेल था।

1860 में पिता की मृत्यु हो गई थी। ये 7 भाइयों में से चौथे नम्बर के पुत्र थे। बैडेन पावेल की शिक्षा लन्दन में हुई। 1869 से 1876 तक सर्वप्रथम 'डेम' स्कूल में भर्ती हुए वहां से रोज-हिल-टन ब्रिज पैलेस स्कूल में प्रवेश लिया। 1870 में लन्दन के चार्टर हाउस स्कूल में प्रवेश लिया, स्कॉलरशिप प्राप्त की। इंग्लैण्ड की प्रथानुसार स्कालरशिप प्राप्त विद्यार्थी को अपने से सीनियर विद्यार्थियों का काम नि:शुल्क करना होता था। इन्होने बाथिंग टावेल धोने का काम लिया जिससे इनका नाम बाथिंग टावेल पड़ा।

मात्र 19 वर्ष की आयु में सेना में इनको सब-लेफ्टीनेंट पद पर नियुक्त कर 1877 में भारत भेज दिया। यहां भारतीय संस्कृति, ग्रामीण वातावरण, रीति रिवाजों तथा किसानों की चौपाल से कई बातें सीखी जो आगे जाकर स्काउटिंग के आदर्श गुण बनें। 26 वर्ष की आयु में कठिन परिश्रमी होने के कारण कैप्टिन बना दिए गए। आर्मी में घोड़ा पोलो, पिग स्टिकिंग, शूटिंग आदि उनकी पसन्दीदा अभिरूचियां थी। 1880 में 13वीं सेना हुर्सास भारत में कार्यग्रहण किया व जनरल के साथ अफगानिस्तान में कंधार गये।

1884 में एक पुस्तक Re-Connaissance and Scouting का प्रकाशन किया जो ब्रिटिश स्कूल के विद्यार्थियों के लिए प्रसिद्ध हुई।

1887 में जुलू प्रदेश के एक बड़े विद्रोह की शांति स्थापना के लिए बी.पी. दक्षिण अफीका भेजे गए। इन्होंने साहस की योग्यता का परिचय दिया। डिनी जूलू सरदार से इन्होंने काले मणियों का नेकलेस प्राप्त किया जो स्काउटिंग में 'वुड वैज' पूर्ण करने पर बीट्स के रूप में के रूप में दिया जाना शुरू किया। इन्होंने जुलू गाना व नृत्य भी सीखा जो स्काउटिंग में लोकप्रिय हुआ।

1895 में अशांटी के सरदार (एक हब्शी जाति) बायां हाथ मिला बहादुर से बहादुर को बायां हाथ मिलाने की प्रथा को स्काउटिंग में लिया गया।

बोअर युद्ध के समय बालकों की अपार शक्ति, साहस, कर्त्तव्यनिष्ठा आदि गुणों का अनुभव हुआ। बालकों की एक सेना बना दी तब बी.पी. को विश्वास हो गया कि बालक युद्ध और शांति के समय सबसे अच्छा, साहस, विश्वास को रचनात्मक रूप देने के लिए 1907 में 'ब्राउन सी लैण्ड' लंदन में अपने मित्रों के 20 बालकों का एक शिविर आयोजित किया। इस शिविर में स्वावलम्बन, अवलोकन, प्रकृति निरीक्षण, कैम्प क्राफ्ट और अच्छी आदतों का निर्माण करने का पूर्ण अवसर दिया। कैम्प फायर के समय प्रतिदिन दृष्टान्त के रूप में बी.पी. ने उनको जीवनोपयोगी बातें बताई। उन्हीं का संकलन 1908 में 'स्काउटिंग फॉर बॉयज' नामक पुस्तक में प्रकाशित हुए। तब से स्काउटिंग पूरे विश्व में फैलने लगी।

गर्ल गाइडिंग की उत्पत्ति - इंग्लैण्ड के सम्राट एडवर्ड सप्तम की आज्ञानुसार सैनिक जीवन से मुक्ति लेकर 1909 में क्रिस्टल पैलेस लन्दन में स्काउट्स रैली का आयोजन किया। तब कुछ लड़कियां भी स्काउट पौशाक में उपस्थित थी। उन्होंने अपना परिचय 'गर्ल स्काउट' कह कर दिया। तब 55 वर्ष की आयु में 1912 में विवाह कर लेडी बेडेन पावेल को जीवन पर्यन्त गर्ल गाइडिंग सौंप दी।

भारत में स्काउटिंग गाइडिंग - स्काउटिंग के प्रसार का असर भारत पर भी पड़ा और 1910 में प्रथम बार 'एंग्लो इंडियन

बालकों के लिए स्काउटिंग प्रारंभ की गई। 1913 में श्रीराम वाजपेयी ने शाहजहांपुर में भारतीय बालकों के लिए स्काउटिंग प्रारंभ की। 1916 में पूना में सर्व प्रथम गर्ल स्काउट (गाइडिंग) का प्रारंभ हुआ। 1912 में समुद्री स्काउटिंग का प्रारंभ हुआ।

1920 में अन्तर्राष्ट्रीय जम्बूरी ओलम्पिया लन्दन में बी.पी. को विश्व चीफ स्काउट चुना गया। अन्तर्राष्ट्रीय स्काउट ब्यूरो लन्दन में स्थापित हुआ।

1937 में अस्वस्थ रहने के कारण बी.पी. अफीका के कीनिया प्रदेश में वेटी नामक ग्राम में रहने लगे इन्होने अपनी कुटिया बनायी जिसका नाम पैकस्ट्र रखा।

7 जनवरी 1941 में अपने 84 वर्ष की आयु में बैडेन पावेल ने संसार से विदा ली।

नरेश कुमावत बनाएंगे सरयू तट पर राम की मूर्ति

श्री नरेश कुमावत पुत्र श्री मातूराम वर्मा मशहूर मूर्तिकार अयोध्या के सरयू तट पर भगवान श्रीराम की 823 फीट ऊँची प्रतिमा मांझा वराह घाट पर बनाकर स्थापित करेंगे। इस मूर्ति का बेस 100 वर्ग फीट का तैयार किया जाएगा तथा मूर्ति 721 फीट की होगी। मूर्ति का वजन करीब 3000 टन होगा जिसमें 80 फीसदी तांबा तथा शेष टिन, जिंक, प्लेटिनम तथा लौहा इस्तेमाल होगा। यह अष्ट धातू की मूर्ति राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा बनवाई जा रही है। ज्ञातव्य रहे कि श्री नरेश कुमावत अत्यधिक बड़ी मूर्तियों का देश-विदेश में निर्माण कर चुके हैं।

ललित कुमावत को सर्वश्रेष्ठ पैनल वकील का सम्मान

राष्ट्रीय विधि सेवा दिवस के अवसर पर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने कानूनी सेवा में उत्कर्ष्ट कार्य करने के लिए सर्वश्रेष्ठ पैनल वकील (आपराधिक) के लिए श्री ललित कुमावत, भीलवाड़ा को प्रशस्ति पत्र एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया है। यह सम्मान उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की रिपोर्ट के आधार पर दिया गया है।

श्री ललित कुमावत को सर्वश्रेष्ठ पैनल वकील का सम्मान मिलने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई।

जीवन में यदि संघर्ष न रहे, तो जीवित रहना ही व्यर्थ है : महेन्द्र सिक्का कुमावत

हमने अपने हाथ अपनी आंखों पर रख लिए हैं और कह रहे हैं कि सब ओर अंधेरा है। हाथ अलग करें, आपको प्रकाश दिखने लगेगा, जो पहले भी था। असफलताएं जीवन का सौन्दर्य है। जीवन में यदि संघर्ष न रहे, तो जीवित रहना ही व्यर्थ है। असफलताएं छोटी फिसलनें हैं। इसलिए असफलताओं की चिंता न करें, वे बिल्कुल स्वाभाविक है। आदर्श को सामने रखकर हजार बार आगे बढ़ने का प्रयत्न करें। यदि आप हजार बार भी असफल होते हो, तो एक बार फिर प्रयत्न करें। कमजोरी का इलाज कमजोरी का विचार करना नहीं बल्कि शक्ति का विचार करना है जो कि मनुष्य में पहले से ही है।

मानवजाति के आज तक के इतिहास में महान पुरुषों और स्त्रियों के जीवन में यदि सब से बड़ी प्रवर्तक शक्ति कोई है, तो वह **आत्मविश्वास** है। यह एक बड़ी सच्चाई है। शक्ति ही जीवन और कमजोरी ही मृत्यु है। 'जड़' यदि शक्तिशाली है, तो 'विचार' सर्वशक्तिमान हैं। इस विचार को अपने जीवन में उतारें। इच्छाशक्ति ही सब से अधिक बलवती है। इसके साथ सामने हर एक वस्तु झुक सकती हे, क्यों वह ईश्वर और स्वयं ईश्वर से आती है। परंतु इसके लिए अभ्यास अत्यावश्यक है। यदि आप प्रतिदिन घंटों बैठकर उपदेश सुनते रहें, पर उसका अभ्यास न करें तो एक पग भी आगे नहीं बढ़ सकते यह सब अभ्यास पर ही निर्भर है।

घर की नींव-बुजुर्ग

बुजुर्गों का बड़ा हिस्सा इस समय स्वयं को समाज से कटा हुआ और मानसिक प्रताड़ना की अनुभूति कर रहा है। यह असंवेदनशीलता उनके लिए बहुत पीड़ादायक है। तिनका-तिनका जोड़कर अपने बच्चों के लिए आशियाना बनाने वाले लोग वक्त की ठोकरों से मजबूर होकर स्वयं को ठगा सा अनुभूत कर रहे हैं। नि:सन्देह भौतिकवादी सभ्यता और एकाकी परिवार का उभार ही बुजुर्गों के बीच दूरियां बढ़ने का बड़ा कारण सोच व समझ में तालमेल का अभाव है। वृद्धजनों को लेकर बिगड़ रही स्थिति को सुधारने के लिए आवश्यक है कि परिवार में आरम्भ से ही बुजुर्गों के प्रति अपनत्व का भाव विकसित किया जाए। हमें नई भावनात्मक सोच विकसित करने की जरूरत है, ताकि बड़े बुजुर्ग परिवार व समाज में खोया सम्मान पा सकें। जिस प्रकार हम भविष्य के बारे में सोचकर योजनाएं बना लेते हैं, उसी प्रकार से हमें बुजुर्गों के लिए भी मानवता और कर्तव्यों की पूंजी में निवेश करना होगा, क्योंकि यह वक्त हर किसी को देखना है। सरकार को भी कई देशों की तरह ऐसे कड़े नियम और कानून बनाने चाहिए ताकि वरिष्ठ नागरिकों के स्वावलम्बन एवं आत्मसम्मान को किसी प्रकार की ठेस ना पहुंचे और वे किसी के हाथों की कठपुतली न बनें। ये लोग आज परिवार में अपने ही अस्तित्व को तलाशते नजर आ रहे हैं। यह हमारे लिए गम्भीर चिन्तन का विषय है।

-ललित 'अकिंचन'

भक्तों की दृष्टि भगवान के ऐश्वर्य की तरफ जाती ही नहीं

गोस्वामी तुलसीदास महाराज से किसी ने कहा कि 'आप जिन रामलला की भक्ति करते हैं, वे तो बारह कला के अवतार हैं, पर सूरदास जी जिन भगवान् कृष्ण की भक्ति करते हैं, वे सोलह कला के अवतार हैं। यह सुनते ही गोस्वामी महाराज उसके चरणों में गिर पड़े और बोले—'ओह! आपने बड़ी कृपा की। मैं तो राम को दशरथ जी के लाड़ले कुंवर समझकर ही भक्ति करता था। अब पता चला कि वे बारह कला के अवतार हैं। इतने बड़े हैं वे? आपने आज नई बात बताकर बड़ा उपकार किया।' अब कृष्ण सोलह कला के अवतार हैं-यह बात उन्होंने सुनी ही नहीं, इस तरफ उनका ध्यान ही नहीं गया। भगवान् के प्रति भक्तों के अलग-अलग भाव होते हैं। कोई कहते हैं कि दशरथजी की गोद में खेलने वाले जो रामलला हैं, वे ही हमारे इष्ट हैं—

'इष्टदेव मम बालक रामा' (रा.च.मा.7/75) राजाधिराज रामचन्द्रजी नहीं, छोटा-=सा रामलला। कोई भक्त कहता है कि हमारे इष्ट तो लड्डू गोपाल हैं, नन्द के लाला हैं। वे भक्त अपने रामलला को, नन्दलला को संतों से आशीर्वाद दिलाते हैं, तो यह भगवान को बहुत अच्छा लगता है। तात्पर्य यह है कि भक्तों की दृष्टि भगवान के ऐश्वर्य की तरफ जाती ही नहीं।

या ब्रजरज की परस से मुक्ति मिलता है चार।
वा रज को नित गोपिका, डारत डगर बुहार।।

आँगन की जिस रज में कन्हैया खेलते हैं, वह रज कोई ले ले तो उसको चारों प्रकार की मुक्ति मिल जाए।पर यशोदा मैया उसी रज को बुहारकर बाहर फेंक देती है। मैया के लिये तो वह कूड़ा-करकट है। अब मुक्ति किसको चाहिये? मैया की केवल कन्हैया की तरफ दृष्टि है। न तो कन्हैया के ऐश्वर्य की तरफ दृष्टि है और न योग्यता की तरफ ही दृष्टि है। **- प्रो. बालकृष्ण कुमावत,** उज्जैन

विद्या, ज्ञान और प्रज्ञा के समानार्थ अंग्रेज़ी में कोई शब्द नहीं

इसमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिये कि हिन्दी के शब्द विद्या, ज्ञान और प्रज्ञा के समानार्थक/भावार्थक अंग्रेज़ी में कोई शब्द ही नहीं है। वैसे विद्या का अंग्रेज़ी अनुवाद Education एवं ज्ञान का Knowledge के रूप में करते है, जो सही नहीं है। प्रज्ञा के लिए अंग्रेज़ी में कोई शब्द ही नहीं है।

विद्या की शुरूआत श्रद्धा से होती है अर्थात् मन में श्रद्धा के भाव आवश्यक है जबकि Education की शुरूआत Doubt/Logic से होती है। क्योंकि Education में यदि किसी के पास सिर्फ़ जानकारी का भंडार है दूसरे प्रकार के किसी प्रकार के सात्त्विक गुण जैसे सच्चाई, ईमानदारी, Copassion, Equanimity, Joy आदि नहीं है तो भी वह अपने किसी भी भौतिक क्षेत्र में आसानी से Progress कर सकता है चाहे उसके व्यक्तिगत जीवन में किसी प्रकार का आंतरिक शांति न हो।

इसी प्रकार Knowledge का सही अनुवाद ज्ञान नहीं है। ज्ञान के लिए मन में श्रद्धा के भाव होने चाहिये। तभी तो गीता में कहा है-

श्रद्धावान लभते ज्ञानम्

जबकि Knowledge प्राप्त करने के लिए प्रथम आवश्यकता मन में Logic एवं Doubt के भाव आवश्यक है। अत: पश्चिम का Education सम्पूर्ण ज्ञान न होकर अधूरा ज्ञान है। जहाँ जीवन में Logic एवं Doubt पर Education समाप्त हो जाती है वहीं जहाँ जीवन में श्रद्धा की शुरूआत होती है वहाँ से विद्या प्रारम्भ होती है। यह अधूरा ज्ञान जीवकोपार्जन के लिए तो ठीक है पर जीवन जीने की कला के लिए अपर्याप्त है।

एतेरेय उपनिषद् में कहा है -

प्रज्ञानाम् ब्रह्म प्रज्ञा ही Supreme Consciousness है तथा परम आनंद की स्थिति है। जो कि सिर्फ श्रद्धा-विद्या-ज्ञान के रास्ते से ही प्राप्त की जा सकती है। तात्पर्य यह है कि पहले विद्या के संबंध में अपना दृष्टिकोण बदले इसके बाद बच्चों को जीवकोपार्जन के लिए Education दें तथा विद्या की महत्ता को समझते हुए प्रज्ञा जागृत करने की तरफ़ बढ़ाने का प्रयास करें।

- एस आर सिंघाटिया

पवन कुमावत को जिला प्रमुख ने दी बधाई

जयपुर जिला परिषद कार्यालय में हुई विशेष साधारण सभा के दौरान जयपुर जिला प्रमुख रमादेवी चोपड़ा ने पवन कुमावत को मेडल पहनाकर बधाई दी साथ ही जयपुर जिला परिषद में कार्यरत विशाल मिश्रा भी मौजूद रहे। पवन कुमावत ने हाल ही में हैदराबाद में 10वीं वर्ल्ड स्ट्रैंथ लिफ्ट प्रतियोगिता 18 से 21 दिसम्बर तक लाल बहादुर स्टेडियम हैदराबाद में सम्पन्न हुई। जयपुर के लाल चन्दपुरा निवासी पवन कुमावत ने इनक्लाइन बेन्च पर्स में कुल 232.50 किलो वजन उठाकर देश को गोल्ड मैडल दिलाया। पवन कुमावत ने आखरी राउंड में 120 किलो वजन उठाकर नेपाल के खिलाड़ी को पिछे छोड़ा और देश को गोल्ड मेडल दिलाया। प्रतियोगिता में अलग-अलग देशों के 242 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

अमेरिका में रसोई में भोजन बनाना छोड़ने का दुष्परिणाम

अमेरिका में क्या हुआ जब घर में खाना बनाना बंद हो गया ?

1980 के दशक के प्रसिद्ध अमेरिकी अर्थशास्त्रियों ने अमेरिकी लोगों को चेतावनी दी थी कि यदि वे परिवार में आर्डर देकर बाहर से भोजन मंगवाऐंगे तो देश मे परिवार व्यवस्था धीरे धीरे समाप्त हो जाएगी। साथ ही दूसरी चेतावनी दी थी कि यदि उन्होंने बच्चों का पालन पोषण घर के सदस्यो के स्थान पर बाहर से पालन पोषण की व्यवस्था पर ही केन्द्रित किया तो यह भी बच्चो के मानसिक विकास व परिवार के लिए घातक होगा।लेकिन बहुत कम लोगों ने उनकी सलाह मानी।

घर में खाना बनाना लगभग बंद हो गया हैऔर बाहर से खाना मंगवाने की आदत (यह अब नॉर्मल है), अमेरिकी परिवारों के विलुप्त होने का कारण बनी है जैसा कि विशेषज्ञों ने चेतावनी दी थी। घर मे खाना बनाना मतलब परिवार के सदस्यों के साथ प्यार से जुड़ना।

पाक कला मात्र अकेले खाना बनाना नहीं है। बल्कि केंद्र बिंदु है, पारिवारिक संस्कृति का। घर मे अगर कोई किचन नहीं है, बस एक बेडरूम है, तो यह घर नहीं है, यह एक हॉस्टल है या सीधे शब्दों मे कहें तो एक धर्मशाला(सराय) है।

अब उन अमेरिकी परिवारों के बारे में जाने जिन्होंने अपनी रसोई बंद कर दी और सोचा कि अकेले बेडरूम ही काफी है ?

- 1971 में, लगभग 72% अमेरिकी परिवारों में एक पति और पत्नी थे, जो अपने बच्चों के साथ रह रहे थे। 2020 तक, यह आंकडा 22% पर आ गया है।
- पहले साथ रहने वाले परिवार अब नर्सिंग होम (वृद्धाश्रम) में रहने लगे हैं।
- अमेरिका में, 15% महिलाएं एकल महिला परिवार के रुप में रहती हैं।
- 12% पुरुष भी एकल परिवार के रूप में रहते हैं।
- अमेरिका में 19% घर या तो अकेले रहने वाले पिता या माता के स्वामित्व में हैं।
- अमेरिका में आज पैदा होने वाले सभी बच्चों में से 38% अविवाहित महिलाओं से पैदा होते हैं।उनमें से आधी लड़कियां हैं, जो बिना परिवारिक संरक्षण के अबोध उम्र मे ही शारीरिक शोषण का शिकार हो जाती है ।
- संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 52% पहली शादियां तलाक में परिवर्तित होती हैं।
- 67% दूसरी शादियां भी समस्याग्रस्त हैं।

अगर किचन नहीं है और सिर्फ बेडरूम है तो वह पूरा घर नहीं है। यह संयुक्त राज्य अमेरिका विवाह की संस्था के टूटने का एक उदाहरण है। हमारे देश में आधुनिकतावादी भी अमेरिका की तरह दुकानों से या ऑनलाईन भोजन ख़रीदने की वकालत कर रहे हैं और खुश हो रहे हैं कि भोजन बनाने की समस्या से हम मुक्त हो गए हैं। इस कारण भारत में भी परिवार धीरे-धीरे अमेरिकी परिवारों की तरह नष्ट हो रहे हैं। जब परिवार नष्ट होते हैं तो मानसिक और शारीरिक दोनों ही स्वास्थ्य बिगड़ते हैं। बाहर का खाना खाने से अनावश्यक खर्च के अलावा शरीर मोटा और संक्रमण के प्रति संवेदनशील और बीमारियों का घर हो जाता है। शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक स्वास्थ्य किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के लिए आवश्यक है। इसलिए हमारे घर के बड़े-बूढ़े लोग, हमें बाहर के खाने से बचने की सलाह देते थे लेकिन आज हम अपने परिवार के साथ रेस्टोरेंट में खाना खाते हैं...',

स्विगी और ज़ोमैटो के माध्यम से अजनबियों द्वारा पकाए गए (विभिन्न कैमिकल युक्त) भोजन को ऑनलाइन ऑर्डर करना और खाना, उच्च शिक्षित, मध्यवर्गीय लोगों के बीच भी फैशन बनता जा रहा है।

दीर्घकालिक आपदा होगी ये आदत...

आज हमारा खाना हम तय नही कर रहे उल्टे ऑनलाइन कंपनियां विज्ञापन के माध्यम से मनोवैज्ञानिक रूप से तय करती हैं कि हमें क्या खाना चाहिए... हमारे पूर्वज निरोगी और दिर्घायु इस लिए थे कि वो घर क्या ...यात्रा पर जाने से पहले भी घर का ताजा खाना बनाकर साथ मे ही ले जाते थे।

इसलिए हमें परिश्रम के साथ भोजन घर में ही बनाएं और उसे साथ बैठकर मिल-जुलकर खाएं। यह भोजन पौष्टिकता से भरपूर व ताजा होताहै साथ ही इसमें बनाने वालों का प्रेम और स्नेह निहित है।

श्री मंदिर परिक्रमा प्रकल्प का लोकार्पण

श्री जगन्नाथ महाप्रभु, पुरी, उड़िसा के श्री मंदिर परिक्रमा प्रकल्प (Heritage Corridore) का 17 जनवरी, 2024 (पोष शुक्ल सप्तमी संवत् 2080) को लोकार्पण किया गया है। उड़ीसा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक तथा पुरी के राजा ने इसका उद्घाटन किया। इस हेरिटेज कोरिडोर की नये तरीके से साज-सज्जा की गई है। बड़े आयोजनों पर श्रद्धालुओं का मंदिर में प्रवेश रोक दिया जाता था। पहले चरण में 800 करोड़ रुपए की लागत से परिक्रमा पथ बनाने से श्रद्धालुगण मंदिर के बाहर से परिक्रमा कर सकेंगे। परिक्रमा पथ का शेष कार्य लोकार्पण के बाद पूरा कराया जाएगा।

प्रयागराज : संगम पर मित्रों का संगम-2

8 फरवरी 2023

प्रात: उठकर नित्यकर्मों से निवृत होकर पिताजी को प्रणाम प्रयागराज के लिए गांव से रवाना हुये। रास्ते में प्राकृतिक दृश्यों का आनन्द लेते हुए श्री विनायक सिद्धेश्वरी अपार्टमेन्ट पहुंचकर स्नान कर व भोजन कर थोडा आराम किया। शाम को मित्र के काम से यहां के सर्किट हाउस गये। वहां अरुण का मित्र कनिष्ठ अभियन्ता पद पर पदस्थापित है तथा सर्किट हाउस की व्यवस्था सम्हालते है। वापस आते हुये सिविल लाईन्स स्थित भारतीय जीवन बीमा निगम के मित्र के कार्यालय जीवन प्रकाश में कुछ समय रुककर वापस घर आ गये।

9 फरवरी 2023

सुबह सब लोग तैयार होकर गाड़ी से संगम की तरफचले वहाँ स्थित किले के पास बड़े हनुमान जी (लेटे हनुमान जी) का मंदिर है। यह मंदिर यहां के लोगों की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। बड़ी संख्या में लोग यहां आते हैं, भूतल से कुल 8-10 फुट गहराई में हनुमान जी की मूर्ति लेटी हुई अवस्था में है, दक्षिण दिशा की तरफसे प्रवेश कर दर्शन उपरान्त उत्तर दिशा से निकास है। दर्शन के उपरान्त यमुना के किनारे बने किले के उत्तर दिशा में अक्षयवट व पातालपुरी के दर्शन किये। अक्षयवट एक बहुत बड़ा बरगद का पेड़ है जिसकी जडें बेसमेन्ट तक हैं तथा बेसमेन्ट में कई मुर्तियां स्थापित हैं। इसी को पातालपुरी कहते है। यहां से फिर यमुना के किनारे पर ही बने 'मनकामेश्वर महादेव' के दर्शन किये, जलाभिषेक किया। इसके साथ ही प्रयागराज दर्शन का लक्ष्य पूरा हो गया था।

शाम को भोजन के पश्चात कुछ विश्राम किया। जयपुर के लिए प्रयागराज-बीकानेर ट्रेन का समय रात्रि 11 बजे का था मित्र हमें छोड़ने के लिए स्टेशन तक आये।

अब मित्र से विदा लेने का समय आ गया था, ट्रेन रवाना हो रही थी। मित्र और प्रयाग दूर होते जा रहे थे। दूसरे दिन 1 बजे दोपहर जयपुर स्टेशन पर पहुंचे और घर आ गये। मित्रों के साथ बिताये प्रयाग प्रवास के वो 6 दिन अविस्मणीय रहेंगे।

मुसाफिर हैं हम भी, मुसाफिर हो तुम भी,
किसी मोड पर फिर मुलाकात होगी।

-लक्ष्मीनारायण सिरस्वा

कुमावत समाज ने गौ माता को खिलाई लापसी-रंजका

निर्माणाधीन छात्रावास में भामाशाहों ने की कमरों की घोषणा

चित्तौड़गढ। 16 जनवरी। श्री कुमावत विकास एवं सेवा संस्थान, चित्तौड़गढ़ के तत्वाधन मे मकर संक्रांति पर्व पर गोपाल गौशाला में गौ माता को गुड़ की लापसी एवं रजका खिलाया गया।

संस्थान सचिव पूर्व पार्षद राजकुमार बेरा ने बताया कि दान-पुण्य का पर्व मकर संक्राति के अवसर पर गुड़ से निर्मित लगभग तीन क्विंटल लापसी एवं रजका गौ माता को खिलाया गया। इससे पूर्व समाज की महिलाओं द्वारा बछड़े वाली गाय के मेहन्दी लगा व गायों को साड़ी ओढ़ा कर मंगल गातों के साथ पूजा की।

इसके बाद निर्माणाधीन 'श्री चारभुजा कुमावत समाज छात्रावास' में समारोह आयोजित किया गया। इस दौरान छात्रावास निर्माण के तहत संस्थान अध्यक्ष श्री बालचंद गेन्दर एवं पूर्व अध्यक्ष श्री रमेश चन्द्र खनारिया ''खन्ना'' द्वारा हॉल निर्माण एवं श्री कानमल खनारिया, श्री जगदीश राजोरा, श्री घनश्याम खनारिया, श्री राजकुमार बेरा प्रत्येक द्वारा एक-एक कमरा निर्माण कराए जाने की घोषणा की।

इस छात्रावास परिसर में श्री चारभुजा नाथ का भव्य मन्दिर निर्माण कराए जाने पर भामाशाह श्री सुरेश चन्द्र साड़ीवाल ''दादू'' एवं सिंह द्वार निर्माण का कार्य श्री शंकर लाल ओस्तवाल एवं श्री कृष्णकांत शर्मा ,मुरारी लाल कुमावत द्वारा हॉल एवं प्रत्येक कमरे में छत के पंखे लगाए जाने की घोषणा की। इस अवसर पर इन भामाशाहों का उपरना ओढ़ा सम्मान किया गया।

समारोह में आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में प्रभु श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर पर छात्रावास परिसर में ध्वजारोहण, दीपदान, रंगोली कार्यक्रम के साथ ही श्री कुमावत महिला जाग्रति मंच द्वारा भजन-कीर्तन-सत्संग का आयोजन किए जाने का निर्णय लिया गया। इसी तरह गणतंत्र दिवस पर छात्रावास में राष्ट्रीय ध्वज भी फहराया जाएगा।

समारोह एवं गौशाला कार्यक्रम के दौरान संस्थान एवं श्री महिला जाग्रति मंच के पदाधिकारी, सदस्य सहित आसपास गांव के समाजजन उपस्थित थे। संचालन डॉ.सुरेश चन्द्र सिन्धु ने किया। आभार संस्थान अध्यक्ष श्री बालचंद गेन्दर ने व्यक्त किया।

बढ़ती उम्र में जीवन जीने का तरीका

खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है उम्र का पानी... वक्त की बरसात है कि थमने का नाम नहीं ले रही...। आज दिल कर रहा था, बच्चों की तरह रूठ ही जाऊँ, पर... फिर सोचा, उम्र का तकाजा है, मनायेगा कौन...। रखा करो नजदीकियां, जिन्दगी का कुछ भरोसा नहीं... फिर मत कहना चले भी गए और बताया भी नहीं...। चाहे जिधर से गुज़रिये, मीठी सी हलचल मचा दीजिये... उम्र का हरेक दौर मज़ेदार है, अपनी उम्र का मज़ा लिजिये.....। खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है उम्र का पानी...।।

बोर्ड परीक्षाओं में अच्छे अंक कैसे प्राप्त करें : शिक्षाविद् भारती तोंदवाल ने दिये टिप्स

1 घंटा पढाई के बाद 10 मिनट का ब्रेक अवश्य लेना चाहिए

सेल्फ टेस्टिंग अवश्यक करें : 10वीं व 12वीं बोर्ड की परीक्षायें शुरू होने वाली है और विद्यार्थियों के पास अब परीक्षा की तैयारी के लिए कुछ ही समय शेष है। जैसे-जैसे परीक्षाएं नजदीक आ रही हैं, वैसे-वैसे विद्यार्थियों में परीक्षा की तैयारी से जुड़ी चिंताएं भी बढ़ती जा रही हैं। ये वो समय होता है जिसका सामना हर कोई करता ही है। ऐसे में विद्यार्थियों के दिमाग में कई तरह के प्रश्न उठते हैं जैसे कि कब पढ़ें, कितना पढ़ें, क्या पढ़ें आदि। परीक्षाओं को लेकर अक्सर विद्यार्थियों के मन में डर बना रहता है कि उन्हें अच्छे नंबर आएंगे या नहीं, वो पास होंगे या नहीं, कितने नंबर लाने के लिए कितनी पढ़ाई करनी ज़रूरी है इत्यादि। परीक्षाओं के आते ही बच्चों के साथ-साथ शिक्षक और अभिवावकों की भी चिंताएं बढ़ जाती हैं। बच्चों से ज़्यादा माता-पिता अपने बच्चों की परीक्षाओं और उनकी तैयारियों को लेकर चिंतित रहते हैं। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के सह-सम्पादक जयसिंह गुडीवाल ने शिक्षाविद् भारती तोंदवाल से टाइम टेबल बनवाया और परीक्षा की तैयारी किस प्रकार की जावें इसके बारें में जाना। इन टिप्स के जरिये विद्यार्थी स्ट्रेस फ्री रहकर अच्छे अंक प्राप्त कर सकते हैं।

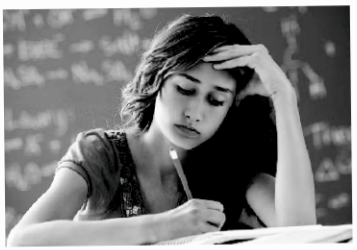

भारती तोंदवाल ने बताया कि अच्छे अंक लाने के चक्कर में अक्सर विद्यार्थी कई गलतियां कर देते हैं या तनाव में आ जाते हैं। जब बात परीक्षा की हो तो उत्साह बहुत जरूरी है चाहे वो शिक्षक हो विद्यार्थी हो या अभिभावक। इनकी सकारात्म क भूमिका से अच्छे परिणाम तक पहुँचाया जा सकता है। माता-पिता बच्चें की पहली सीढ़ी है जो घर के वातावरण को पढाई के अनुकूल बनाकर बच्चों को हर संभव प्रेरणादायक माहौल प्रदान कर सकते हैं। बच्चों की मन:स्थिति को लेकर सदैव सर्तक रहें। अक्सर देखने में आता है कि परीक्षा की तैयारी के दौरान बच्चों को नर्वसनेस और घबराहट की समस्या हो जाती है। उसे इस समस्या से उबारने का प्रयास करें।

टाइम टेबल बनायें : विद्यार्थियों के लिए सबसे ज्यादा जरूरी होता है सही टाइम टेबल का होना। बिना अनुशासन के कुछ भी हासिल नहीं हो सकता। टाइम टेबल केवल पढ़ने का नहीं बल्कि खेलने का, योगा या ध्यान करने का भी होना चाहिए। लगातार पढ़ाई करने से दिमाग भी काम करना बंद कर देता है। इसलिए ज़रूरी है कि दिमाग को फ्रेश रखने के लिए 1 घंटा पढ़ाई के बाद 10 मिनट का ब्रेक अवश्य लेना चाहिए। इसमें आप कुछ एक्टिविटीज़ भी कर सकते हैं। बाहर अपनी पंसद का कोई खेल, खेल सकते हैं, म्यूजिक सुन सकते हैं या मेडिटेशन कर सकते हैं। इससे आपको और पढ़ाई करने में मदद मिलेगी व परीक्षा में अच्छे अंक हासिल कर सकते हैं।

सकारात्मक सोच रखें : विद्यार्थियों के लिए यह समझना जरूरी है कि परीक्षा कोई हव्वा नहीं है जिससे डरा जाए। अगर आप अपने मन से परीक्षा में कम अंक लाने या फेल होने का डर निकाल दें तो आप आधी लड़ाई वैसे ही जीत जाएंगे। अक्सर नकारात्मक सोच के कारण अच्छी-खासी तैयारी पर भी पानी फिर जाता है। आप चाहे कितनी भी तैयारी कर लें, अगर आपके मन में डर मौजदू है कि आपकी तैयारी पूरी नहीं है या कोई कमी है तो आप चाह कर भी अच्छे अंक नहीं ला पाएंगे। इससे बचने के लिए अपने मन में सकारात्मक भाव रखें। परीक्षा को लेकर हमेशा अच्छा सोचें। अपनी तैयारी पर पूरा विश्वास रखें। आत्मविश्वास रखें लेकिन अति आत्मविश्वास से बचें। जब आप सकारात्मक सोच के साथ परीक्षा की तैयारी करेंगे और परीक्षा देंगे तो आप ज़रूर अच्छे अंक प्राप्त करेंगे।

माता-पिता व शिक्षकों की सलाह लें : विद्यार्थी को यह अच्छे से पता होना चाहिए कि उसने साल भर कितनी मेहनत की है। ईमानदारी से पढाई करने वाले विद्यार्थी आत्मविश्वास से परिपूर्ण होते हैं इस आत्म विश्वास को बनायें रखें अन्य बातों में अपनी ऊर्जा और समय न लगायें। किसी भी समस्या में माता-पिता व शिक्षकों से सलाह लें। आराम और पढ़ाई के घंटों में संतुलन बनायें। शिक्षकों द्वारा दिये गये टिप्स पर ध्यान दें। गुरू और शिष्य का रिश्ता बाल्टी और रस्सी की तरह होता है जो शिष्य रूपी बाल्टी में रस्सी की तरह डलकर गहरे कुऐं में उतरकर साफ पानी भरकर ऊपर ले आता है।

आवश्यकता के अनुसार विषयों को महत्व दें : हर विद्यार्थी का अपना एक पंसदीदा विषय होता है इसके साथ ही उनका एक ऐसा विषय भी होता है जो उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं होता, या यूं कहें कि उन्हें समझ नहीं आता। ऐसे में एक पेपर में तो बच्चे के अच्छे अंक आ जाते हैं वहीं दूसरे पेपर में कम अंक आते है। इससे बचने के लिए बच्चों को पहले से ही सभी विषयों को आवश्यकतानुसार महत्व देना चाहिए। प्राथमिकता के साथ विषय को सेट करना चाहिए। साथ-साथ यह भी तय करना चाहिए कि किस विषय के टॉपिक को पहले पढ़ना शुरू करें। रुटीन टाइम टेबल बनाकर तैयारी करें, ताकि सभी विषयों को ठीक से कवर किया जा सके।

विद्यार्थी विषय को समझे व याद करने पर जोर दें। चर्चा के माध्यम से ग्रुप स्टडी के माध्यम से या फिर अपने क्लासमेट या दोस्तों को पढाकर के कर सकते हैं। साथ ही साथ सेल्फ टेस्टिंग भी अवश्य करें। जिससे आप जो पढ़ रहे हैं उसका आंकलन हो सके। विद्यार्थी ग्राफिक्स, चार्ट और ऑडियो-विजुअल कंटेंट के साथ टॉपिक्स को पढ़ सकते हैं। इन टिप्स के ज़रिए विद्यार्थी बेहतर ढंग से अपनी पढ़ाई कर सकते हैं क्योंकि कोई ऐसी परीक्षा नहीं होती है जिसमें आप अच्छे अंक प्राप्त न कर पाएं। थोड़ी सी प्लानिंग और टिप्स को अपनाकर आप परीक्षाओं में अच्छे अंक हासिल कर सकते हैं।

-भारती वर्मा

पत्नी का रखें ख्याल, जीवन होगा खुशहाल

पति-पत्नी के रिश्ते बहुत ही खूबसूरत और नाजुक होता है, इसी के साथ ये बात भी सच है कि इस रिश्ते को चलाने के लिए पति-पत्नी का साथ होना जरूरी है। मैरिड कपल्स के बीच अक्सर पत्नियां हद से ज्यादा जिम्मेदारियों के कारण चिढ़चिढ़ी हो जाती है, जिसका असर रिश्तों पर भी पड़ने लगता है। लड़ाई-झगड़े बढ़ने लगते हैं, लेकिन गृहस्थ जीवन को बैलेंस करने के लिए अगर जरूरी बातों पर ध्यान दें तो ऐसा होने से बचा जा सकता है।

शादी के बाद कपल्स के बीच अक्सर देखने को मिलता है कि महिलाओं की जिंदगी में सबसे ज्यादा परिवर्तन आता है। उन पर ढेरों जिम्मेदारियों का बोझ न सिर्फ उन्हें थका देता है बल्कि इसका असर पति-पत्नी के रिश्ते पर भी पड़ने लगता है। वैवाहिक जीवन में पति-पत्नी दोनों ही बराबरी के हकदार होते हैं, ऐसे में पति होने के नाते आपका पूरा फर्ज बनता है कि अपनी पार्टनर के असल मायने में लाइफ पार्टनर बनें। इसके लिए कुछ खास बातों पर ध्यान देना होता है, जिससे पत्नी खुश रहने के साथ ही आपसे शायद ही कभी नाराज हो।

पति नहीं दोस्त बनने की कोशिश करें

एक अच्छा पति वो नहीं होता जो सिर्फ समय पर घर आ जाता हो और अपनी पत्नी की हर बात को सुनता हो बल्कि आपको उसका जीवन साथी होने के साथ-साथ अच्छा दोस्त भी बनना होता है। कई बार आप पति के नजरिये से अपनी पत्नि की प्रॉब्लम्स को नहीं समझ पाते हैं, न ही वह आपसे खुलकर अपनी बातें साझा कर पाती हैं। ऐसे में आप उसके दोस्त बनकर न सिर्फ अपने रिश्ते को मजबूती दें, बल्कि उसे स्ट्रॉन्ग बनाने में मदद करें। जिससे वह शादी के बाद भी अकेली महसूस नहीं करें, बल्कि एक दोस्त के हमेशा साथ होने पर भरोसा करें।

जीवनसंगिनी को दे सम्मान

किसी भी रिश्ते में प्यार के साथ सम्मान बेहद जरूरी होती है। कई बार पत्नी की बातों को नजरअंदाज कर बैठते हैं या फिर पुरुष प्रधान सोच के चलते उसके विचारों को तवज्जों देना जरूरी नहीं समझते। इससे रिश्ता मजबूत बनना तो दूर, ज्यादा चल पाना भी मुश्किल हो जाता है। यह समझना आवश्यमक है कि पत्नी आपकी जिंदगी में बराबरी की हकदार है, इसलिए उसे भी अपने विचार और अपने तरह से रहने का पूरा अधिकार है। जब अपनी जीवनसंगिनी की बातों को समझने और सुनने लगते हैं, तो उन्हें न सिर्फ खुशी महसूस होती है बल्कि ऐसे रिश्ते में वह घुटन महसूस नहीं करती।

जिम्मेदारियों में बने भागीदार

शादी के बाद ज्यादातर महिलाओं को घर से लेकर ऑफिस दोनों की जिम्मेदारी संभालनी पड़ती है, जिसमें उसे पति का सहयोग नहीं मिलता। घर का काम करना सिर्फ महिलाओं का ही नहीं बल्कि पुरुषों का भी दायित्व बनता है, ऐसे में अपनी पत्नी का पूरा सहयोग करना चाहिए। बराबर से जिम्मेरदारी संभालना न सिर्फ उसका बोझ हल्का करेगा, बल्कि उसे खुशी भी महसूस कराएगा।

सरप्राइज देकर कराएं प्यार का अहसास

शादी होना ही सब कुछ नहीं होता, बल्कि इसे चलाने के लिए रिश्ते में प्यार जगाए रखना बहुत आवश्यहक है। व्यस्त जीवनशैली के बीच जीवनसाथी से दूरी बढ़ाने के ऐसे कई कारण रहते हैं, जिनके कारण तलाक का सामना तक करना पड़ जाता है। पत्नी को प्यार का एहसास कराना जरूरी होता है। जब वह काम से थककर लौटें, तो उसके लिए आप कोई सरप्राइज प्लान कर सकते हैं।

केयर करें

हर एक रिश्ते में केयर करना सबसे अहम माना जाता है। अगर आप अपने साथ रहने वालों की परवाह ही नहीं करते, तो इसका मतलब यह है कि आप उनसे प्यार नहीं करते, जो सभी रिश्तों की नींव होती है। पति-पत्नी को एक-दूसरे की केयर हमेशा करनी चाहिए। जैसे पत्नी के बीमार होने पर तुरंत डॉक्टर के पास ले जाना, उसे कुछ बुरा लगें तो उस बारे में उनसे बात करें, वे लाइफ को लेकर क्या सोचती हैं, उसकी पसंद क्या है। जब आप उसके लिए इमोशनल सपोर्ट बनते हैं, तो वे भी इस विश्वास के साथ आगे बढ़ पाती हैं कि कुछ भी हो आप उनके साथ हैं।

शादी के बाद जब बच्चों को संभालने की जिम्मेदारी आती है, तो कई बार महिलाओं को न सिर्फ अपनी जॉब छोड़नी पड़ जाती है बल्कि सब कुछ संभाल पाना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में पिता होने के नाते जिम्मेदारी बनती है कि फादरहुड एंजॉए करने के साथ बच्चे को भी संभाले। उसे सुलाने से लेकर आगे चलकर उनका होमवर्क कराने तक, इन सभी चीजों में भी कर्तव्य को निभाना चाहिए। ताकि पत्नी का भार कम होने के साथ ही उसे अपने लिए भी थोड़ा वक्त मिल पाए।

- जयसिंह गुडीवाल
सह सम्पादक, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, बैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर (स्व.)
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोड़िया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैंदर, पांचावाला, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर

विशिष्ट संरक्षक

वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बोवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैंदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुददीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धुंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, डोडसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर, जयपुर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

29 दिसम्बर श्री शांतिलाल नाहर, स्वामी नगर, भूवाणा
29 दिसम्बर श्री चौथमल सिरसवा, माल की ढाणी, सांगानेर,जयपुर
29 दिसम्बर श्री बाबूलाल भौंरोदिया, कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर
30 दिसम्बर श्री विनोद पुत्र श्री भंवरलाल धुंधारिया, जनकपुरी, धावास, जयपुर
1 जनवरी श्रीमती सुणी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री सुवालाल मारवाल, धोली मण्डी, चौमूं
1 जनवरी श्री नाथूलाल बालोदिया, कोदर, बगरू, जयपुर
1 जनवरी श्रीमती चन्द्रकान्ता धर्मपत्नी श्री हीरालाल सिरस्वा, कुतरों की ढाणी, सांगानेर, जयपुर
3 जनवरी श्री रामदयाल कमावत (गैंदर), आदर्श बस्ती, टोंक फाटक, जयपुर
3 जनवरी श्रीमती चन्द्रा देवी धर्मपत्नी स्व. डॉ. श्री रामविलास घोड़ेला, महावीर नगर प्रथम, जयपुर
3 जनवरी श्रीमती शांति देवी धर्मपत्नी स्व. श्री मूलचन्द कैवर्त्या, खेजड़ों का रास्ता, जयपुर
3 जनवरी श्रीमती चंदा देवी धर्मपत्नी श्री सूरजमल देवतवाल, बांदनवाड़ा, पुष्कर
4 जनवरी श्रीमती निर्मला देवी धर्मपत्नी श्री सुभाष तोंदवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
4 जनवरी श्रीमती जगमना देवी धर्मपत्नी स्व. श्री गुल्लाराम खाटूवाल, कुमावतों का मोहल्ला, सिरसी
4 जनवरी श्रीमती ललिता धर्मपत्नी श्री महेश कुमार वारावाल, रेलवे स्टेशन, चौमूं
4 जनवरी डॉ. गिरिश वर्मा पुत्र स्व. श्री शंकरलाल वर्मा, पाटनीपुरा गुरुद्वारे के पास, इन्दौर
5 जनवरी श्री राधा किशन देवतवाल, जगदम्बा कॉलोनी, इन्द्रा मार्केट फुलेरा
6 जनवरी श्री राधेश्याम खटोड़ (रामजीपुरा वाले),विद्याधर नगर, जयपुर
6 जनवरी श्री लड्डू गोपाल उदयवाल, श्रीराम कॉलोनी, रामनगर, सोडाला,जयपुर
7 जनवरी श्री कन्हैया लाल मारवाल, वाटिका, जयपुर
7 जनवरी श्री ज्ञानीराम वर्मा, देवतवाल, मालवीय नगर, जयपुर
7 जनवरी श्री नानक राम जी तोंदवाल, गोपालपुरा, जयपुर
7 जनवरी श्री गंगाविशन खाटूवाल (पीपलिया वाले) सोमानी कॉलोनी, ब्यावर
8 जनवरी श्री मोहनलाल कुमावत, जोबनेर रोड, फुलेरा
9 जनवरी श्रीमती मना देवी मारोठिया, नवलगढ़
9 जनवरी श्री राहुल कुमावत पुत्र श्री राजकुमार मारवाल, गोविन्दपुरा, जयपुर
9 जनवरी श्री सत्यनारायण कुमावत पुत्र स्व. सूरज नारायण जी घोड़ेला, श्याम कॉलोनी, जयपुर
13 जनवरी श्री नाथूराम घोड़ेला, मुरलीपुरा, जयपुर
15 जनवरी श्री बाबूलाल खुंखवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
17 जनवरी श्री राजेश कुमावत जेठीवाल (जेवीवीएनएल), जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
अरुण	B.A.	HDFC	2.12.96	-	लोहरवाड़िया	धमुनिया	ब्याड़वाल	आसीवाल	7240562541	जयपुर
दीपक	B.Sc., Nursing	Pvt. Hospital	5.5.95	5'5''	कारगवाल	खोरानिया	तूनवाल	मारवाल	9928289544	सीकर
भानूप्रताप(मांगलिक)	B.A.	Football cooch	2.12.97	5'8''	बबेरीवाल	सिरोहिया	बड़ीवाल	मारवाल	9001143555	जयपुर
लखन	B.A.	Contractor	24.12.89	5'0''	मरावंडिया	अस्तवाल	डूंगरवाल	बिरोडिया	9584384333	इन्दौर
गजानन्द	M.Sc., B.Ed.	-	1.7.95	5'10''	देवतवाल	सिरस्वा	भोरोदिया	दम्बीवाल	9887276356	जयपुर
सौरभ	LLM	Pursuing RJS	26.10.94	6'0''	मारोठिया	तूंदवाल	दम्बीवाल	बबेरीवाल	9414454214	जयपुर
दिनेश	M.Com. (Account)	Pvt. Job.	10.12.97	5'10''	चौरासिया	मारवाल	बेरा	रावोरिया	9610108704	बगरू
चेतन	M.Tech.	L&T Company	28.10.94	5'9''	बासनीवाल	मारोठिया	धीजपुरिया	जलान्दरा	8107101467	जयपुर
मेघराज	M.A., NET	Pvt. Teacher	22.9.96	5'8''	कठूम्बरा	घोड़ेला	दम्बीवाल	बासनीवाल	9887399787	जयपुर
हेमन्त	M.Com.	Kotak Bank Mahindra	5.2.94	5'6'	राहोरिया	मारवाल	घोड़ेला	बबेरवाल	9680159526	फुलेरा
सीताराम	M. Com.	Holesaler Marble & Stationry	24.5.92	5'8''	राजोरिया	पचेरीवाल	नागा	गोठवाल	9782349721	नागौर
कमलेश	B.A.	Pvt. Comp.	13.7.97	5'10''	मारवाल	नोखवाल	मामोडिया	दम्बीवाल	7568225603	चौमूं
कैप्टन मीनल	B.Sc. Aviation	Airline pilot	3.12.97	5'10''	खोवाल	तूंदवाल	खोरानिया	ब्याड़वाल	9414072345	जयपुर
योगेश	M.Com. CA	PWC	17.1.99	5'5''	अडावनिया	लाडनवां	पोपलोदा	गठेलवाल	9549659167	जयपुर
रोहित	B.Sc., Nursing	Nursing officer Govt. Hospital	2.3.94	5'5''	घोड़ेला	धुमुनिया	भोरोदिया	ब्याड़वाल	7568247620	सीकर
पंकज	B. Tech. (mech.)	prepation for RAS	10.3.96	5'6''	सारड़ीवाल	मालिया	मारोठिया	ब्याड़वाल	7877825667	ब्यावर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
नेहा	M.A..B.Ed.	-	1.8.96	5'2''	भौरोदिया	घोड़ेला	कठूमरा	कोलकरीया	9521466151	चाकसू
ख्याती	B.Tech.(ECE)	Auditor (Defence)	10.2.94	5'5''	घोड़ेला	भोड़ा	जालवाल	मारोठिया	9958880113	जयपुर
कविता	B.Com., CA	Manager Central Bank	27.3.95	5'3''	मामोड़िया	सोकिल	मारवाल	सारड़ीवाल	9414719348	जयपुर
दुर्गेशनंदनी	B.Tech(IT), MBA	Policy Job Bazar	1.12.94	5'2''	करोड़ीवाल	सारड़ीवाल	कारगवाल	घोड़ेला	9351383577	जयपुर
वापिका	B.Tech (CS)	Pvt. Job.	28.6.92	5'0''	मारवाल	जलान्दरा	जेठोवाल	बोड़िया	9351708090	जयपुर
कोमल	M.A.(Pre.)	-	25.11.2002	5'0''	कैकिटया	घोड़ेला	खंडारिया	खोरानिया	9660569616	जयपुर
चंचल	M.A., B.Ed.	Pvt.	3.1.94	5'4''	गैदर	बारावाल	राजोरिया	मामोड़िया	9829190386	जयपुर
प्रिया	B.Tech. (CS)	Infosys	1.1.94	5'5''	भोड़या	तूंदवाल	किरोड़ीवाल	उदयवाल	8290656331	चौमूं
भावना(अ.मांगलिक)	B.Sc. (Fashion Design)	Pvt. Job.	18.12.90	5'2''	बबेरीवाल	सारड़ीवाल	घोड़ेला	खोवाल	7357887767	जयपुर
दिव्या	B.Tech. (CS)	Pvt. Job.	29.6.91	5'3''	भौरोदिया	छाबल्या	खूखवाल	खटवाल	8947992776	जयपुर
रक्षा (मांगलिक)	M.Com.	Bank Service	22.6.99	-	सिरस्वा	नीमीवाल	पारमवाल	मालिया	9649045742	-
प्रिया	MCA	Govt Job	25.9.95	5'2''	बड़ीवाल	बबेरवाल	मारवाल	कुदीवाल	9887149797	जयपुर
पायलराज	M.Sc., (Maths)	AIIMS (Delhi)	24.9.94	5'4''	मारोठिया	नईवाल	बबेरीवाल	देवतवाल	9460570001	अजमेर
नविका	M.Sc. (Chem.) B.Ed.	Pvt. Teacher.	6.3.95	5'1''	खूखवाल	बैरा	कुलचानिया	भौरोदिया	9414315055	जयपुर
करिश्मा	M.A., LL.B.	Practice	26.12.98	5'3''	नेमीवाल	दम्बीवाल	मारवाल	तिनवाल	9351676236	उदयपुर
निशा	M.A., B.Ed.	Pvt. Job	2.5.91	5'6''	मारवाल	रेणीवाल	जलान्दरा	कारगवाल	9783557915	जयपुर
सुनीता	M.A.	-	6.7.94	5'5''	आसीवाल	मामोड़िया	बबेरीवाल	कुदीवाल	7062375413	जयपुर

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम ''कुमावत इंडिया पत्रिका''

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्रीः- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika@gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 25 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत करें एवं हमें भी सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में निःशुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

सदस्यता समाप्ति सूचना

3 वर्षीय सदस्यता वाले सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
16. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

विदेशों में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा पर मनाए कार्यक्रम

भव्य राम मंदिर, अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा होने के अवसर पर विदेशों में भी भारतीयों तथा स्थानीय लोगों ने खुशी व्यक्त करने के लिए अनेक कार्यक्रमों का आयोजन कर सनातन संस्कृति का परचम लहराया। जिनका विवरण निम्नानुसार है-

जनकपुर, नेपाल-यहां जानकी मंदिर को सजाया गया तथा सवा लाख से अधिक दीपक जलाये गये तथा 50 हजार लोगों ने दर्शन किए।

लंदन, ब्रिटेन में भारतीय समुदाय ने कार रैली निकाली तथा 100 स्थानों पर टीवी पर राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का लाईव प्रसारण देखा।

डेनमार्क-भारतीय मूल के लोगों ने आरती की व राम भजन गाये।

अमेरिका-न्यूयार्क में टाइम स्क्वायर पर सेलिबेशन हुआ। भगवान राम का बिल बोर्ड लगाया गया। ढोल-नगाड़ों और रामनाम के झण्डों के साथ जश्न मनाया गया।

मेनेसोटा में भारतीय समुदाय के लोगों ने राम भजन गाए।

अमेरिका के 300 शहरों में राम मंदिर प्राण प्रतिठा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखा व मंदिरों में प्रसाद वितरण हुआ।

एटालांटा में लोग राम के झण्डे लेकर मंदिर पहुंचे तथा राम की प्रतिमा के सामने माथा टेका।

सिलिकोन वैली में लोग रामधुन पर नाचे व 900 कारों की रैली निकाली।

सेशल्स-स्वामी नारायण मंदिर में कैण्डल आरती की गयी।

श्रीलंका-जहां रावण ने सीता को रखा वहां सीता एलिया मंदिर में राम भजन गाये गये।

ताइवान- इस्कॉन मंदिर में 21 जनवरी को भजन-कीर्तन किया गया।

मारिशस-यहां सारे मंदिरों में दीप जलाये गये तथा सरकार ने प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम देखने के लिए 2 घण्टे की छुट्टी दी। प्रधानमंत्री प्रविन्द कुमार जगुनाथ ने प्राण प्रतिष्ठा से पहले दीप जलाया। यहां कार रैली भी निकाली गयी।

दुबई-अरब देशों की शान दुबई के बुर्ज खलीफा पर राम का फोटो लगाकर इसे राम के रंग में रंगा गया।

कनाडा- 22 जनवरी को राम मंदिर डे घोषित किया गया। यहां भगवान राम के झण्डे लगाये तथा टीवी पर प्राण प्रतिष्ठा का लाईव प्रसारण देखा।

ऑस्ट्रेलिया-मेलबोर्न के दुर्गा मंदिर में लोगों ने राम के झण्डे फहराये तथा प्राण-प्रतिष्ठा का जश्न मनाया। सिडनी में झण्डों के साथ कार रैली निकाली। ब्रिस्बेन, एडिलैड, न्यू साउथ वैल्स में भी समारोह आयोजित हुए।

अफ्रीका- केन्या, यूगांडा, मोजाम्बिक व तंजानिया में कार रैलियां निकाली व अन्य कार्यक्रम हुए।

जापान-यहां भारतीय मूल के लोगों ने टीवी पर प्राण-प्रतिष्ठा को देखा व आरती की।

मेक्सिको-क्वेरेटारो शहर में बने पहले राम मंदिर में भगवान राम, माता सीता और हनुमान जी की बनी मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा एक अमेरिकी पुजारी ने कराई।

बाली, इण्डोनेशिया-यहां गांधीपुरी सेवा ग्राम आश्रम में यज्ञ किया गया।

एफिल टावर, पेरिस, फ्रांस-राम भक्तों ने रैली निकाली, रथ यात्रा से पहले यज्ञ किया गया।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर उदयपुर कुमावत समाज में दो दिवसीय कार्यक्रम

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की खुशियों में उदयपुर के कुमावत समाज द्वारा सर्व समाज महोत्सव के रूप में 21 जनवरी को अक्षत कलश रथ यात्रा श्रीराम मंदिर, हरिदासजी की मंगरी कुमावत महासभा भवन से प्रात: 9:15 बजे रवाना हो कर चांदपोल, सूरजपोल, मंडी, हाथीपोल, भुवाना, पुला, देवाली इत्यादि क्षेत्रो में स्थित ठाकुर जी के मंदिरों से वापस सायं 7.15 बजे महासभा पहुंचने पर अक्षत कलश एव दिव्य शंख की पूजा अर्चना

कर महाआरती कर प्रसाद वितरण किया गया।

22 जनवरी को प्रात: 11.15 बजे सुंदरकाण्ड के पश्चात श्रीराम आरती एवं हनुमान चालीसा पाठ किया गया और भोजन प्रसाद का कार्यक्रम हुआ। सांय 6.30 बजे दीपोत्सव महाआरती एवं महाप्रसादी का भव्य आयोजन किया कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

-**युवराज सिंह नाहर,** आजोजन प्रमुख

जेम्स स्टोन पर राम का सबसे छोटा विग्रह बनाया

जयपुर के रिंकु कुमावत ने जेम्स स्टोन ब्लैक ऑनेक्स पर 5.80 मिमी. × 4.6 मिमी. की भगवान राम की मूर्ति बनायी है, जो सम्भवत: सबसे छोटी मूर्ति है। इसे बनाने में उन्हें 5 घण्टे का समय लगा। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में लोगों का जोश देखकर उन्हें राममंदिर की प्रतिकृति बनाने की प्रेरणा मिली है, जिसे वे शीघ्र बनायेंगे।

श्रद्धांजलि

श्री रामदयाल जी कुमावत

का स्वर्गवास 4 जनवरी 2024 को हो जाने पर हम अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

Raj Blocks Since-1977
OFFSET PRINTERS

B-81, Road No.4, Kartarpura Ind. Area, 22 Godown, Jaipur
Ph.: 0141-4022538 Mob: 9414052736 • 9928910068

श्रद्धांजलि

स्व. श्री प्रेमचन्द बड़ीवाल

की द्वितीय पुण्यतिथि
8 जनवरी, 2024
पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

बैकुण्ठधाम
8 जनवरी, 2022

श्रद्धान्वत

सी. एम. बड़ीवाल (भ्राता),
चैनसुख बड़ीवाल, कैलाश बड़ीवाल,
नितेश बड़ीवाल (पुत्र)

प्रतिष्ठान :
बड़ीवाल टैक्स एंड लॉ प्रैक्टिशनर प्राइवेट लिमिटेड
(दहमीकलां बालाजी स्टैंड, अजमेर रोड, बगरु, जयपुर)
दहमी कलां-बगरु, जयपुर मो. 9829056063, 9929012957

श्रद्धांजलि

स्वर्ग. 12.1.1993

स्व. श्री भैरीलालजी नागा
31वीं पुण्यतिथि
12 जनवरी, 2024

स्व. श्रीमती धन्नीदेवी नागा
तेरहवीं पुण्यतिथि
6 नवम्बर 2023

स्वर्ग. 6.11.2010

श्रद्धानवत:

पुत्र-पुत्रवधु : सुरेन्द्र कुमार-विजय कुमारी, स्व. अमरकान्ता- स्व. राधेश्यामजी, पौत्र-पौत्रवधु : बृजेन्द्र-विजयलक्ष्मी, अरुण-हेमलता, संदीप-प्रतिमा, भवानी-मीनाक्षी, चन्द्रजीत-अंजू, सुनील उर्मिला, पड़पौत्रवधु: लोमेश-मीनाक्षी, षड़पौत्र : हनी, समस्त पौत्रियां, दामाद, पड़पौत्रियां, पड़पौत्र, षडपौत्र एवं नागा परिवार

पता- डी-114-ए, सिवाड एरिया, बापूनगर, जयपुर (राज.)
मो 9414994006 फोन 2709925

आभार

हमारे पूज्य

श्री रामदयाल जी कुमावत

का स्वर्गवास 4 जनवरी, 2024 को हो जाने पर समाज बन्धुओं, सगे सम्बन्धियों, शुभचिन्तकों, मित्रगणों, सामाजिक एवं व्यापारिक संस्थाओं तथा विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने व्यक्तिगत उपस्थित होकर, संवेदना संदेशों, दूरभाष, वाट्सएप, मोबाईल आदि द्वारा इस दुःख की घड़ी में हमें संबल दिया।

हम सभी परिवारजन आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

आभारकर्ता

श्रीमती फूलादेवी (पत्नी) रमेश कुमावत CTO retd, दिनेश AAO-I वित्त व्यय 4 सचिवालय, सतीश, गणपति आर्ट एन फ्रेम (पुत्र) पवन (भतीजा) पारितोष, हिमांशु व जषिथ (पौत्र) चारु (पौत्री) अव्यान (प्रपोत्र) कमला-आर एस जौहरी, स्व. संतोष-ओमप्रकाश मारवाल (पुत्री-दामाद) स्वीटी-मनीष खण्डारिया, आयुषी-दीपेश माथुर (पौत्री-दामाद) एवं गेदर परिवार

26, आदर्श बस्ती, टोंक फाटक, जयपुर, मो.: 9414555322

श्रद्धांजलि

स्वर्गवास

26 जनवरी, 2010

हमारे पूज्य

स्व. श्री प्रहलाद जी मारवाल

की 14वीं पुण्यतिथि

26 जनवरी, 2024

पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

श्रीमती चौथी देवी (पत्नी) ताराचन्द-सन्तोष, आशीष-पुष्पा, किशन-निर्मला, दीपचन्द-ममता, गणेश-समता (पुत्र-पुत्रवधु), राजकमल-तनुजा, मनीष (इंस्पेक्टर कस्टम, कोयम्बटूर)-लीना (पौत्र-पौत्रवधु), कार्तिक, दिव्यांश, अश्विन, दक्ष, अथर्व (पौत्र), सुमन (Vice Principal Govt. Sr. Sec. School,रोजवाड़ी), शशि (Asst. Professior Govt. College, Sambhar), लक्षिता, मोनिषा (पौत्री), इप्सिता, डैजू, प्रत्युष (प्रपौत्री-प्रपौत्र) एवं समस्त मारवाल परिवार कपूरावाला, तह. सांगानेर , जयपुर

विज्ञापन

स्व. श्री रामदयाल जी कुमावत (गेदर)

श्रीमती तीजा देवी एवं श्री लक्ष्मीनारायण जी गेदर के परिवार में वर्ष 1934 में प्रथम पुत्र रत्न का तत्कालीन स्थान कस्बा, जयपुर (वर्तमान में सी-स्कीम, जयपुर) का जन्म हुआ। उनका नाम रखा गया रामदेव। बड़े होने पर प्रारम्भिक शिक्षा जोशी जी के यहां प्रारम्भ की तथा स्कूल में प्राथमिक शिक्षा के प्रारम्भ में रामदयाल नाम रखा गया। तब घर की आर्थिक स्थिति को मध्यनजर रख बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन का कार्य सिखा तथा शीघ्र ही आपने बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन कॉन्ट्रेक्ट लेना प्रारम्भ किया। इसमें आप आगे बढ़ते गए और PWD में बड़े कामों के कॉन्ट्रेक्ट भी लेने लगे। आपने इस लाईन में अच्छा नाम कमाया किन्तु जब पेट्रोलियम देशों का संगठन OPEC बना तो डीजल-पेट्रोल की दरों में अप्रत्याशित वृद्धि होने से कंस्ट्रक्शन मेटेरियल की दरों में भी बहुत वृद्धि हो गई तथा लिए गए सरकारी ठेकों में नुकसान उठाना पड़ा। फिर भी आपने इन सभी कॉन्ट्रेक्टस को नियत अवधि में पूरा कर अपनी साख कायम रखी। पर इसके बाद इस कार्य को हमेशा के लिए छोड़ दिया। वर्ष 1973 में आपने जनता सेनेटरी स्टोर, मंगलमार्ग के सामने, लालकोठी, जयपुर पर सेनेटरी का व्यवसाय प्रारम्भ किया। आपकी कड़ी मेहनत, ईमानदारी तथा व्यवसायिक समझ के कारण आपने इस व्यवसाय में पेठ जमा ली तथा 40 वर्ष तक यह व्यवसाय किया। 75 वर्ष की आयु होने तक आप इस व्यवसाय का करते रहे। इसके बाद शेष जीवन ईश्वर की आराधना में व्यतीत किया।

आपने अपने जीवन में शिक्षा के महत्व को बहुत अच्छे से पहचान लिया था तथा अपने तीनों पुत्रों तथा दो पुत्रियों को अच्छी शिक्षा दिलाई। आपके एक पुत्र रमेश B.Com., LLB हैं जो वाणिज्य कर विभाग में CTO (Dy. Commissioner State Tax) के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। दूसरे पुत्र दिनेश M.Com. तक शिक्षित हैं तथा (AAO-I) के पद पर वित्त विभाग, सचिवालय, जयपुर में कार्यरत हैं। तीसरे पुत्र सतीश, गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम के नाम से व्यवसाय संचालित कर रहे हैं। आपके पौत्र पारितोष (M.Tech.), हिमांशु (MCA) हैं तथा दोनों प्राईवेट कम्पनी में जॉब कर रहे हैं तथा जषिथ अभी अध्ययनरत हैं।

आप मृदुभाषी एवं सौम्य व्यवहार के धनी रहे हैं। जीवन में किसी से कोई विवाद नहीं रहा, रिश्तों के महत्व का समझा तथा अच्छे मार्गदर्शक रहे। आप आखिरी एक सप्ताह को छोड़ पूरे जीवन स्वस्थ रहे। आपका जीवन प्रेरणादायक रहा है। 4 जनवरी, 2024 को 89 वर्ष की आयु पूर्ण कर आप हम सभी को छोड़कर देवलोक को गमन कर गए।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से आपको सादर श्रद्धांजलि।

श्रद्धांजलि

श्री रामदयाल जी कुमावत

का स्वर्गवास 4 जनवरी 2024 को हो जाने पर हम अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत

रमेश वर्मा
भारती तोंदवाल
सचिव 'कुमावत इंडिया' पत्रिका
महिला अध्यक्ष, सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा
अध्यक्ष, कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर

60, जय जवान कॉलोनी-द्वितीय, टोंक रोड,
जयपुर, मो. : 94608 70125

प्रथम पुण्यतिथि श्रद्धांजलि

स्वर्गवास 8.1.2023

स्व. श्री किशन लाल जी राजोरा
(रोजड़ीवाले)

आपकी सादगी एवं त्यागमय जीवन हमारे लिए सदैव प्रेरणा स्रोत बना रहेगा

श्रद्धान्वत

मदनलाल राजोरा-श्रीमती कान्ता देवी (पुत्र-पुत्रवधु),
डॉ. अश्वनी कुमार-डॉ. प्रज्ञा (पौत्र-पौत्रवधु)
प्रतिष्ठान : अश्वनी लेडीज टेलर्स,
नाहरी का नाका, सीकर हाउस, जयपुर

12, टीचर्स कॉलोनी, डीसीएम, अजमेर रोड
मो. : 9828318541, 7838031688

SP CONSTRUCTION

Building INDIA'S Construction

SHASHI PAL KUMAWAT

B-34, Devi Chiranjivi Colony, Surya Nagar, Gopal Pura Bye Pass, Jaipur 302015

Web: spconst.co.in E-Mail: info@spconst.co.in

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com